राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 52 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 27 दिसंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

भारत की सैन्य धार बढ़ेगी : फाइटर जेट से लेकर परमाणु पनडुब्बी तक, 'मेक इन इंडिया' हथियारों की बड़ी खेप होगी शामिल

नई दिल्ली । आने वाला साल भारतीय सेना की ताकत के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। 2026 में थल सेना, वायुसेना और नौसेना को एक से बढ़कर एक आधुनिक और घातक हथियार व सिस्टम मिलने वाले हैं, जो देश की रक्षा क्षमताओं को नई ऊंचाई देंगे। 'मेक इन इंडिया' की गूंज अब सीमाओं पर साफ सुनाई देगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल फाइटर जेट्स से लेकर परमाणु पनडुब्बी तक, हथियारों और प्लेटफॉर्म्स का एक बड़ा जखीरा भारतीय सशस्त्र बलों के बेड़े में शामिल होगा। इससे भारत की रणनीतिक बढ़त और अधिक मजबूत होगी। भारतीय सेना पहले ही ऑपरेशन सिंदूर में अपनी ताकत का लोहा मनवा चुकी है। हालांकि, पड़ोसियों की गतिविधियों को देखते हुए भविष्य की जंग के लिए तैयारियां और तेज की जा रही हैं। इसी कड़ी में फाइटर जेट्स, युद्धपोत, देसी न्यूक्लियर-पावर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन, स्वदेशी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और अत्याधुनिक मिसाइल सिस्टम शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है।

ये धुरंधर बच्चे बाल पुरस्कार से सम्मानित

उम्र 9 साल, एक मगरमच्छ से लड़ा, दूसरा ऑपरेशन सिंदूर का 'सिपाही'

- पंजाब के श्रवण ने की थी 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेना की मदद
- वैभव सूर्यवंशी को बाल पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 20 बच्चों को कला, संस्कृति, खेल और इनोवेशन समेत अलग-अलग क्षेत्रों में उनकी असाधारण उपलब्धियों और योगदान को पहचान देते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार पाने वालों को अपना आशीर्वाद भी दिया।

फिरोजपुर के 10 साल के श्रवण को सामाजिक सेवा कैटेगरी में सम्मान मिला। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना को अपनी तरफ से दूध, चाय, छाछ और बर्फ पहुंचाई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी सोचा नहीं था कि मुझे यह अवॉर्ड मिलेगा। मुझे सैनिकों की सेवा करनी थी। राष्ट्रपति से पुरस्कार लेने के बाद उसने कहा, यह पुरस्कार पाकर मैं बहुत खुश हूं।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने खेल श्रेणी में धमाकेदार उपलब्धियां हासिल कीं हैं। 19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के, लिस्ट, क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक, 39 साल पुराना पाकिस्तान के जहूर इलाही का रिकॉर्ड तोड़ा।

मगरमच्छ से पिता को बचाया

आगरा के 9 वर्षीय अजय राज को साहस श्रेणी में पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने लकड़ी से वार कर अपने पिता को मगरमच्छ की पकड़ से बचाया था। उनकी बहादुरी ने हजारों लोगों को प्रेरित किया।

एस्तेर यूट्यूब पर स्टार, इनके 20 मिलियन फॉलोअर

मिजोरम की 9 साल की एस्तेर लालदुहावमी हनामते को कला और संस्कृति के लिए पुरस्कार मिला। लालदुहावमी के गाए गए गीत को गृह मंत्री अमित शाह ने सराहा और उन्होंने गिटार दिया। हनामते के पिता लोहार हैं। हनामते एक यूट्यूब स्टार हैं और उनके चैनल पर 20 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

6 वर्षीय बच्चे को बचाते हुए व्योमा ने जान दी

तमिलनाडु की 8 वर्षीय व्योमा प्रिया को मरणोपरांत बहादुरी सम्मान दिया गया। वह बच्चों के पार्क में खेलते समय एक 6 साल के लड़के को बचाने गई थीं, जिसे टूटी विद्युत केबल के संपर्क में आई स्लाइड से करंट लग रहा था। व्योमा प्रिया की मां अर्चना शिवराम कृष्ण ने यह पुरस्कार लिया। लड़के की जान बच गई, लेकिन व्योमा की मृत्यु हो गई। उनकी मां ने कहा, 'यह सम्मान हमारे लिए गर्व और दु:ख का मिश्रित पल है। काश व्योमा खुद यह पुरस्कार लेने आती।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, सभी बच्चों ने अपने परिवारों, समाज और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। इसलिए, मैं इन बच्चों के परिवार के सदस्यों को भी बधाई देती हूं।

कोण्डागांव की योगिता मंडावी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले की प्रतिभाशाली बालिका योगिता मंडावी ने जूडो खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित बालिका गृह, कोण्डागांव में पली-बढ़ी योगिता को उनकी उल्लेखनीय खेल उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। योगिता मंडावी ने कम उम्र में ही जूडो खेल में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। मात्र 13 वर्ष की आयु में उन्होंने राज्य की श्रेष्ठ जूडो खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगातार पदक अर्जित कर अपनी निरंतर प्रगति और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने योगिता मंडावी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता से नई पीढ़ी को आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा मिलती है।

गुरू पर्व में अपराध व नशा से दुर रहने की संकल्प लें -दिनेश बंजारे

बेलसोंडा सतनामी समाज द्वारा छात्रों व वरिष्ठ जनों का किया सम्मान

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द के ग्राम बेलसोंडा में गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश सहसचिव दिनेश बंजारे के मुख्य अतिथि व जिलाध्यक्ष विजय बंजारे की अध्यक्षता व अति विशिष्ट अतिथि महासमुंद जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर, बागबाहरा जनपद उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार तथा विशेष अतिथि रेखराज बघेल जिला सचिव, श्रीमती प्रिति चंद्राकर सरपंच, कुणाल चंद्राकर उपसरपंच, सोमनाथ टोंडेकर जिला मिडिया प्रभारी,महेंद्र सुर्यवंशी जिला उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ के उपस्थिति में किया गया। सर्व प्रथम समाज के लोगों ने सामुहिक रूप से शोभायात्रा निकालकर कर ग्राम भ्रमण किया। जिसकी जगह-जगह ग्राम वासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। तत्पश्चात जोड़ा जैतखाम में समाज प्रमुखों व अतिथियों के हाथों से पालों चढ़ाई गई। समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाकर व सफल व्यवसाई,वरिष्ठ जनों के साथ भंडारी साटीदार का सम्मान किया गया। दिनेश बंजारे ने समाज को अपराध व नशा से दुर रहने की संकल्प लेकर आदर्श समाज की नवनिर्माण में भागीदार बनने अपील किया।विजय बंजारे ने गांव के सामाजिक एकीकरण में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज ग्राम कमेटी के गठन पश्चात हुई बदलाव की सराहना करते हुए संगठित रहने की बात कही। जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर ने गुरु घासीदास बाबा जी के आशीर्वाद से ही उपसरपंच बना फिर जनपद उपाध्यक्ष बनने की बात कहती हुई समाज के हमेशा साथ खड़े रहने की वचन दी।

तरुण व्यवहार ने समाज के लिए संघर्ष करने वाले समाज प्रमुखों का सम्मान करने व उनके साथ देने की अपील की।रेखराज बघेल ने कहा जैसे श्वेत वेषभूषा धारण करने वाले लोग हजारों के भीड़ में भी अलग दिखती है वैसे ही सात्विक खान-पान रहन-सहन वाले लोग सतनामी की पहचान को प्रदर्शित करते हैं। सरपंच प्रिती ढीवर, उपसरपंच कुणाल चंद्राकर व सोमनाथ टोंडेकर ने जयंती पर्व की शुभकामनाएं दिया।मंच संचालन रविशंकर जांगड़े व आभार मुरली बघेल ने किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथि व सर्व समाज के लोग एक साथ सामूहिक भोजन पान किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में छत्तीसगढ़ प्रगतिशील सतनामी समाज बेलसोंडा ग्राम कमेटी अध्यक्ष निरंजन बघेल , उपाध्यक्ष गण धरम कोशले, लेनदास कोशले एवं मुरली बघेल सचिव मनीष लहरे, चेतन बघेल सह-सचिव , अठगवां सचिव राकेश जांगडे,मोहन कोशले को कोषाध्यक्ष मीडिया प्रभारी योगेश मन्नाडे समाज के अनुभवी एवं वरिष्ठ सदस्यों सलाहकार शिवा बघेल, शीश बघेल, अमरदास बघेल, राजेश खन्ना बघेल, भागी बघेल, पुनीत बघेल ,कुबेर बघेल,दीपक बघेल एवं जेठूराम जांगड़े की की अहम योगदान रहा।

संक्षिप्त-खबर

बसना में सिख समाज ने दी मानवता की मिसाल, वीर बाल दिवस पर राहगीरों को गर्म दूध पीलाकर की सेवा

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बसना में आज सिख समाज द्वारा मानवता की मिसाल पेश की हैं। जहाँ चार साहिबजादों और माता गुजरी जी के 'शहादत दिवस' की मीठी याद में नगर के मुख्य चौक पर राहगीरों को गर्म दूध पिलाकर सेवा की गई। यह आयोजन सरबंश दानी धन धन श्री गुरु गोबिंद सिंघ जी के चार साहिब ज़ादे बाबा अजीत सिंघ जी,बाबा जुझार सिंघ जी, बाबा जोरावर सिंघ जी,बाबा फ्तेह सिंघ जी ,माता गुजरी जी,भाई मोतीराम मेहरा जी एवं अनेक सिंघो की शहादत की याद में किया गया। समाज के लोगो ने कहा कि धर्म और मानवता की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले महापुरुषों की स्मृति में यह सेवा कार्य किया जा रहा है। कड़ाके की ठंड में राहगीरों को गर्म दूध वितरित कर समाज ने आपसी भाईचारे और सेवा का संदेश दिया।

इतिहास अनुसार इस सेवा कार्य में श्री गुरुद्वारा साहिब के बसना के पूर्व प्रधान लाल सिंघ छाबड़ा,मनजीत सिंघ सलूजा ,संगीत सलूजा,इकबाल सिंह छाबड़ा,सुरेन्द्र सिंह वाधवा,गुरबख्श सिंह तलुजा डब्लू वाधवा,त्रिलोचन सिंघ तलुजा,मनजीत सिंघ छाबड़ा,महिपाल सिंह जटाल,तलविंदर सिंह तलुजा,आशीष वाधवा,सनटी छाबड़ा,प्रभजीत सिंह रंधावा,गुरदीप सिंह तलुजा,रणवीर सिंह तलूजा ,प्रीतपाल सिंह कालड़ा,राजा वाधवा, पंकज वाधवा,नमन होरा,लक्की रंधावा,गोल्डी रंधावा,मन्नत कालड़ा नगर पंचायत के उपध्यक्ष शीत गुप्ता, पार्षद शिव नायक, सहित स्थानीय सिख समाज के युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जिला स्तरीय कुश्ती में अरुण निषाद ने किया ग्राम जमराव का नाम रोशन

पाटन (समय दर्शन)। सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में 35 किलोग्राम वजन वर्ग में ग्राम जमराव के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अरुण निषाद, पिता हरीश निषाद, ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर ग्राम पंचायत जमराव के सरपंच श्रीमती जागेश्वरी भेष कुमार सोनकर, कोच स्वपनिल पवार एवं कमलेश देवांगन ने विजेता खिलाड़ी को मोमेंटो भेंट कर एवं मुंह मीठा कराकर बधाई दी।

कार्यक्रम में निषाद समाज के अध्यक्ष कार्तिक निषाद, दुर्गेश निषाद, हरीश निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने अरुण निषाद की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सफलता की कहानी - कृषक उन्नति योजना से बदली किसान की तक़दीर

बेमेतरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की नई कहानी लिख रही है। इसी कड़ी में ग्राम बेलतरा, जिला बेमेतरा के कृषक श्री दुधेराम साहू की जीवन गाथा एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है, जहाँ शासकीय सहयोग ने उनके परिवार को आर्थिक संकट से उबारते हुए उन्नति और आत्मसम्मान की राह पर अग्रसर किया है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत श्री दुधेराम साहू को 1 लाख 83 हजार रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। यह राशि उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आशा, राहत और भविष्य की मजबूती का आधार सिद्ध हुई। सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने वाले श्री साहू लंबे समय से आर्थिक दबाव और पारिवारिक जिम्मेदारियों से जूझ रहे थे।

प्राप्त अनुदान राशि का सार्थक और दूरदर्शी उपयोग करते हुए श्री साहू ने सबसे पहले अपने भाई की चिकित्सा शिक्षा में निवेश किया। डॉक्टर बनने का सपना उनके परिवार वर्षों से देख रहा था, लेकिन आर्थिक अभाव इस सपने के आड़े आ रहा था। कृषक उन्नति योजना से मिली सहायता ने इस सपने को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाई और परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही श्री दुधेराम साहू ने ऋण पर खरीदे गए ट्रैक्टर की लंबित किस्तों का भुगतान भी किया। समय पर किस्त जमा होने से वे पूरी तरह ऋणमुक्त हो गए। इससे न केवल आर्थिक बोझ समाप्त हुआ, बल्कि मानसिक तनाव से भी उन्हें राहत मिली। अब वे निश्चिंत होकर अपने कृषि कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं और आधुनिक तरीके से खेती कर अपनी आमदनी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जिला खाद्य अधिकारी पर गंभीर आरोप, राशन दुकानों का बलपूर्वक समर्पण कराने का मामला

राजनांदगांव (समय दर्शन)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आसिफ अली ने जिला खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी की जिलाधीश के माध्यम से छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को कार्यवाही करने को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आसिफ अली ने अपने शिकायत में कहा कि शहर राजनांदगांव में स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान सोसायटी, समूह एवं अन्य के द्वारा वर्तमान में संचालित किया जा रहा है, जिसे जिले में पदस्थ जिला खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी द्वारा समिति के सदस्यों को बुला-बुलाकर धमकी दिया जा रहा है और कोरे कागज पर राशन दुकान नहीं चला सकते है, करके सील लगवाकर साईन कराया जा रहा है। साईन नहीं किये जाने पर जेल भेजने की धमकी देते हुए संचालित राशन दुकान को बलपूर्वक समर्पण कराया जा रहा है, जिसके कारण वार्डवासियों में काफी आक्रोश की स्थिति बनी हुई है। इसके पहले भी स्टेशन पारा के राशन दुकान को वार्ड के सोसायटी-समूह को दरकिनार रखकर दूसरे वार्ड के समूह को नियम विरूद्ध आबंटित किये जाने के कारण अधिकारी रविन्द्र के विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही किये जाने की मांग की गई थी।

श्री अली ने यह भी आरोप लगाया है कि स्टेशन पारा में शासकीय राशन दुकान को वार्ड के महिला समूह द्वारा संचालित किया जा रहा था, उसको भी जिला खाद्य अधिकारी द्वारा दूसरे वार्ड के समूह को आबंटित कर दिया गया है। उक्त शासकीय राशन दुकान को समूह के सदस्य द्वारा संचालित कराना छोड़ वार्ड क्रमांक 4 के भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व पार्षद श्यामा सुखदेवे द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस मामले की शिकायत करने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं किया जा रहा है, इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त भाजपा नेता को जिला खाद्य अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है।

इसके पहले भी श्री अली द्वारा जिला खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी के ऊपर कार्यवाही की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था, मगर आज पर्यंत तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गयी है। श्री अली ने कहा कि यदि समय-सीमा पर उक्त शिकायत पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं होने पर ब्लॉक कांग्रेस पार्टी के द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

राज्य उपचरगृह अधिनियम व रैम गाइडलाइन के उल्लंघन में संचालित निजी अस्पताल

स्वास्थ्य के अधिकार का हनन, मानव अधिकार फाउंडेशन ने सीएमएचओ से की सख्त कार्रवाई की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के राजिम विकासखंड में संचालित लक्ष्मी माता हॉस्पिटल का संचालन शासन द्वारा निर्धारित नियमों, छत्तीसगढ़ राज्य उपचरगृह एवं रोगोपचार संबंधी संस्थान (अनुज्ञापन) अधिनियम 2010, नियम 2013 तथा रैम गाइडलाइन के प्रतिकूल पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) गरियाबंद द्वारा अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया है। यह मामला अब केवल प्रशासनिक अनियमितता नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय बन गया है।

सीएमएचओ कार्यालय से जारी नोटिस के अनुसार, जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा 27 नवंबर 2025 को अस्पताल का निरीक्षण किया गया, जिसमें कई गंभीर खामियां सामने आईं। जिसमे निरीक्षण रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि अस्पताल में रैम गाइडलाइन के अनुसार हॉस्पिटल संचालित नहीं है, वहीं 24म7 स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनाकोलॉजिस्ट) की उपलब्धता भी नहीं थी, इसके बावजूद प्रसव कराए जा रहे थे, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है।

इसके साथ ही निरीक्षण के दौरान पैथोलॉजिस्ट अनुपस्थित पाए गए, जबकि मान्यता प्राप्त अस्पताल में उनकी उपस्थिति अनिवार्य है। निरीक्षण में यह भी सामने आया है कि अस्पताल में स्टाफकी तैनाती रैम गाइडलाइन के अनुरूप नहीं है। नर्सिंग होम एक्ट के अंतर्गत अस्पताल को 30 बेड के संचालन की मान्यता प्रदान की गई है, किंतु 30 बेड के अस्पताल के लिए आवश्यक चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफकी नियमानुसार उपलब्धता नहीं पाई गई। इससे यह स्पष्ट होता है कि अस्पताल संचालन केवल कागजी मान्यता के आधार पर किया जा रहा है,न कि वास्तविक मानकों के अनुरूप।

सीएमएचओ द्वारा अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि वे 30 दिवस यानी 27 दिसंबर के भीतर समस्त कमियों को दूर कर कार्यालय को सूचित करें,अन्यथा नर्सिंग होम एक्ट के तहत लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित संस्था की होगी।

इस पूरे मामले को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताते हुए छत्तीसगढ़ मानव अधिकार फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव एवं पत्रकार महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने सीएमएचओ गरियाबंद को लिखित आवेदन सौंपकर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि रैम गाइडलाइन और नर्सिंग होम एक्ट औपचारिक नियम नहीं, बल्कि मरीजों के जीवन की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनी प्रावधान हैं। बिना विशेषज्ञ चिकित्सकों के प्रसव कराना सीधे तौर पर संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का उल्लंघन है।यादव ने यह भी कहा कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आम नागरिक मजबूरी में निजी अस्पतालों पर निर्भर होते हैं। ऐसे में यदि अस्पताल बिना मानक सुविधाओं के सेवाएं देता है, तो यह न केवल कानून की अवहेलना है, बल्कि जनता के साथ विश्वासघात और शोषण भी है।

साहिबजादों के बलिदान दिवस पर गरियाबंद में शौर्य का प्रदर्शन, बाइक रैली और तिरंगा चौक पर कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

गरियाबंद (समय दर्शन)। दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह महाराज के चार साहिबजादों—साहिबज़ादा अजीत सिंह, साहिबज़ादा जुझार सिंह, साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फ्तेह सिंह—के अद्वितीय बलिदान की स्मृति में वीर बाल दिवस गरियाबंद में पूरे श्रद्धा, सम्मान और गौरव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सिख एंव सिंधी समाज द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में महिला,पुरुष और बच्चों की सहभागिता देखने को मिली।कार्यक्रम की शुरुआत गरियाबंद स्थित गुरुद्वारा से हुई,जहाँ गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को स्मरण करते हुए अरदास की गई। इसके बाद भव्य बाइक रैली निकाली गई,जिसमें सिख एंव सिंधी समाज के लोगों के साथ-साथ नगर के अन्य नागरिक भी शामिल हुए। रैली गुरुद्वारा से प्रारंभ होकर सिविल लाइन,गौरवपथ,शारदा चौक होते हुए बस स्टैंड पहुँची। देशभक्ति और शौर्य से ओत-प्रोत नारों से पूरा नगर वातावरण गूंज उठा।

बस स्टैंड स्थित तिरंगा चौक में सिख समाज के महिला-पुरुषों और बच्चों ने साहिबजादों की स्मृति में मोमबत्तियाँ जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान ज्ञानी जी द्वारा अरदास की गई और साहिबजादों के अदम्य साहस,धर्मनिष्ठा और बलिदान को याद किया गया।

धान बिक्री की सुचारू व्यवस्था ने किसानों को किया आकर्षित

दुर्ग (समय दर्शन)। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी में तेजी आ रही है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। जिसके तहत अब दिन-रात कभी भी मोबाईल एप तुंहर टोकन के माध्यम से किसानों को धान बेचने के लिए टोकन मिलने लगा है। किसानों के लिए यह बड़ी सहुलियत है कि उनके लिए तुंहर टोकन एप अब 24 घंटे उपलब्ध है। अब मोबाईल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नही है। धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 61,116.18 लाख रूपए की लागत से 2,57,796.52 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 48629 किसान लाभान्वित हुए हैं।

मानपुर ब्लॉक में ग्राम पंचायत कोराचा, हलोरा और कदाड़ी में पेसा दिवस का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। आदिवासी एवं वन पर निर्भर समुदायों के सशक्तिकरण के लिए जन कल्याण सामाजिक संस्थान ने 24 दिसंबर को मानपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोराचा, हलोरा और कदाड़ी में पेसा दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आदिवासी पुरुष-महिलाएं, ग्राम सभा सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पेसा अधिनियम (पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार अधिनियम, 1996) के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना और ग्राम सभा को सशक्त बनाना था। आयोजन में ग्राम सभा के अधिकार, दायित्व, निर्णय प्रक्रिया के साथ-साथ जल-जंगल-जमीन और पारंपरिक संसाधनों पर समुदाय के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संस्थान के प्रतिनिधि किशन सिंह साहू ने बताया कि पेसा कानून आदिवासी और वन पर निर्भर समुदायों को स्वशासन का अधिकार देता है। यह कानून ग्राम विकास से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय ग्राम सभा के माध्यम से लेने का प्रावधान करता है। उन्होंने ग्रामवासियों को नियमित ग्राम सभा आयोजित करने, सामूहिक भागीदारी बढ़ाने और अपने संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के लिए जागरूक रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों ने पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्राम सभा को मजबूत करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लिया। यह पहल आदिवासी और वन पर निर्भर समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी गई।

इस अवसर पर वीरेंद्र शाह मंडावी सरपंच कोराचा, पिलेश्वरी भुआर्य सरपंच कदाड़ी, यशवंत कोमरे पंचायत सचिव हलोरा के अलावा गटेगहन, सम्बलपुर और खेड़ेगांव के प्रतिनिधि, मितनिना दीदी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन बसना के अध्यक्ष बने शरण दास व सचिव बने रूप सिंह सिदार

बसना(समय दर्शन)। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ब्लॉक इकाई बसना का गठन हेतु जनपद पंचायत सभागार में एक विशेष बैठक बुलाई गई। जिसमें सर्व समिति से शरण दास राजन को ब्लॉक अध्यक्ष के लिए प्रस्ताव पारित किया गया, जहां सभी ने एक स्वर में शरण दास राजन को ब्लॉक अध्यक्ष एवं रूपसिंह सिंदार को सचिव के लिय मनोनित किया गया द्य

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक पुरुषोत्तम दीवान छत्तीसगढ़िया ने संगठन की रीति नीति व आगामी दिनों में होने वाले आंदोलन पर भी प्रकाश डाला । फेडरेशन की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने पुरुषोत्तम दीवान छत्तीसगढ़िया क निर्देशन मे संरक्षक के रूप में पीयूष ठाकुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बसना , बद्री विशाल जोलहे विकासखंड शिक्षा अधिकारी बसना ,अनिल सिंह साव विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बसना सुखराम निराला रेंजर बसना नयन प्रधान एसडीओ जनपद पंचायत बसना उपाध्यक्ष विजय धृतलहरे लहरें जिला अध्यक्ष , नीलांबर नायक गजेंद्र नायक सीजी टी ए विनय कुमार प्रधान, जागेश्वर बाघ , नरेश पटेल अध्यक्ष पंचायत सचिव संघ की गजपति जगत तहसील कार्यालय बसना कोषाध्यक्ष उपेंद्रनाग प्रदेश अध्यक्ष उद्यानिकी विभाग सहसचिव राजेश भारतीय ,प्रवक्ता वारिस कुमार हीराराम चौहान, वन विभाग से पाठक जी मीडिया प्रभारी प्रेम साव, राज नारायण शर्मा सलाहकार भगवान प्रसाद सेठ ,पेंशनर गिरधारी पटेल, प्रवीण खोपरा गड़े सलाहकार जनपद के संगठन प्रमुख सूक लाल नायक पटवारी ,ईश्वर , गेंदलाल ,गिरधारी को सदस्य बनाया गया। आगामी दिनों में संगठन की विस्तार की जाएगी व सभी विभाग के अधिकारी के कर्मचारी ने हर्ष व्याप्त किए है ।

आगामी दिनों में आंदोलन 29,30,31 पूरा छत्तीसगढ़ में निर्धारित है।

धर्म की रक्षा हेतु साहिबजादों का सर्वोच्च बलिदान युगों-युगों तक रहेगा अमर: विधायक डॉ. संपत अग्रवाल

पिथौरा में गरिमामय ढंग से मनाया गया 'वीर बाल दिवस', विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बाबा जोरावर सिंह और बाबा फ्तेह सिंह को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पिथौरा(समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के पिथौरा में अदम्य साहस और शहादत के प्रतीक 'वीर बाल दिवस' का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में किया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने सिख धर्म के दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की वीरता को नमन करते हुए समाज को उनके पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बाबा जोरावर सिंह और बाबा फ्तेह सिंह जी के चलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर वीर साहिबजादों की शहादत को याद किया और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूरा परिसर 'बोले सो निहाल' के जयकारों से गूंज उठा। जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि यह अन्याय के विरुद्ध न्याय की जीत और अटूट आस्था का प्रतीक है। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के सुपुत्रों, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फ्तेह सिंह ने अत्यंत कम आयु में वह साहस दिखाया जिसकी मिसाल दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं मिलती। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने साहिबजादों के शौर्य और अदम्य साहस पर प्रकाश डालते हुए भावुक शब्दों में कहा कि मात्र 7 और 9 वर्ष की कोमल आयु में भी बाबा जोरावर सिंह और बाबा फ्तेह सिंह शेरों की तरह दहाड़ते थे। मुगल शासकों ने उन्हें बंदी बनाकर उन पर इस्लाम स्वीकार करने और धर्म परिवर्तन करने का भारी दबाव डाला, लेकिन वे अपने निश्चय से टस से मस नहीं हुए। मुगल सम्राटों की भीषण क्रूरता भी उनके बुलंद हौसलों को नहीं डिगा सकी और उन्होंने अपना शीश कटाना तो स्वीकार कर लिया, परंतु अत्याचारी शासकों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया। अंततः धर्म और मानवता की रक्षा के लिए वे हंसते-हंसते दीवारों में चुनवा दिए गए। उनकी यही महान शहादत आज भी हमें अपने संस्कारों, अपनी संस्कृति और धर्म के प्रति सदैव समर्पित रहने की अटूट प्रेरणा देती है।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अंत में कहा कि आज की युवा पीढ़ी को साहिबजादों के जीवन से वीरता, धैर्य और नैतिक मूल्यों की सीख लेनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' घोषित कर इन छोटे महानायकों की वीरता को वैश्विक पहचान दिलाई। इस अवसर पर पिथौरा भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा,जनपद पंचायत अध्यक्ष ऊषा पुरुषोत्तम धृतलहरें, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, पिथौरा नगर पंचायत अध्यक्ष देव सिंह निषाद , मुख्य वक्ता राजिंदर खनूजा ,भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी,जनपद सदस्य पुरषोत्तम घृतलहरे ,विजय नायक, नरेश सिंघल, विक्की सलूजा, त्रिलोक अजनानी, सौरभ अग्रवाल विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र पांडेय , विधायक प्रतिनिधि अनूप अग्रवाल, रैदास गोयल, विधायक प्रतिनिधि रविन्द्र आजमानी, सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा,परमीत सिंह माटा , दुर्गेश सिंहा दीपक सलूजा,कुलजीत आजमानी आदि उपस्थित थे।

दो वर्षों में विद्युत ढांचे को मिली ऐतिहासिक मजबूती, प्रदेश का पांचवां 400/220 केवी उपकेंद्र हर्राडांड में स्वीकृत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर बना पावर हब

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी और जनहितकारी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विद्युत अधोसंरचना क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की जा रही है। बीते दो वर्षों में जशपुर जिला बिजली ढांचे के सशक्तिकरण की दृष्टि से एक पावर हब के रूप में उभरकर सामने आया है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए रणनीतिक और दीर्घकालिक निर्णयों के परिणामस्वरूप जिले में बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण व्यवस्था को नई मजबूती मिली है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है।

साय सरकार ने जशपुर जिले के हर्राडांड में प्रदेश के पांचवें 400/220 केवी उच्च क्षमता वाले विद्युत उपकेंद्र की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की है। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद इस परियोजना का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। यह उपकेंद्र न केवल जशपुर बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा और क्षेत्रीय विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ बनाएगा।

इसके साथ ही फरसाबहार एवं झिक्की-बगीचा में 132/33 केवी विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है, जिससे बढ़ते विद्युत भार का संतुलन बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। वहीं जिले के सलिहाटोली, विपतपुर, भगोरा, समडमा, मैनी, रेड़े (पथलगांव), पालीडीह, खुटेरा एवं चेटवा में 33/11 केवी विद्युत सब-स्टेशनों के निर्माण हेतु करोड़ों रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इन सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण की जा रही हैं और जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर कुनकुरी विकासखंड में उप-क्षेत्रीय भंडार (मिनी डिपो स्टोर) की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। इसके संचालन में आने से अब जले या खराब वितरण ट्रांसफार्मरों के प्रतिस्थापन के लिए विश्रामपुर और सूरजपुर जैसे दूरस्थ भंडारों

पर निर्भरता समाप्त हो गई है। इससे समय और लागत दोनों की बचत हो रही है तथा विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल की जा रही है।

जिले में विद्युत प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुनकुरी में वृत्त कार्यालय, संभागीय कार्यालय, एसटीएम संभागीय कार्यालय, वितरण भंडार, तपकरा उप-संभागीय कार्यालय तथा वितरण केंद्र कुनकुरी की स्थापना की गई है। इन कार्यालयों के संचालन से निगरानी, रखरखाव और उपभोक्ता सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही लो वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए 117 नए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा चुके हैं। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिल रही है, वहीं घरेलू उपभोक्ताओं, व्यापारियों और लघु उद्योगों को भी स्थिर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिल रहा है। जिलेवासियों का कहना है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर को मिली विद्युत सौगातों से न केवल बिजली व्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि कृषि, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी विकास को नई गति मिली है। निर्बाध बिजली आपूर्ति से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, साय सरकार की ये पहलें जशपुर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाते हुए राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्व. रजनी दत्तात्रेय उपासने के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में रायपुर की प्रथम महिला विधायक स्वर्गीय श्रीमती रजनी दत्तात्रेय उपासने के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री अनटोल्ड स्टोरी ऑफ स्व. रजनी दत्तात्रेय उपासने÷ का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय श्रीमती उपासने के सामाजिक, राजनीतिक एवं जनसेवा से जुड़े योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और प्रेरणा का प्रतीक रहा है। आपातकाल जैसे कठिन दौर में लोकतंत्र की रक्षा से लेकर रायपुर के विकास, महिलाओं और वंचित वर्गों के उत्थान तक उनका योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कि यह डॉक्यूमेंट्री आने वाली पीढ़ियों को उनके व्यक्तित्व और कार्यों से परिचित कराने का सशक्त माध्यम बनेगी। विमोचन कार्यक्रम के दौरान श्री सच्चिदानंद उपासने सहित उनके परिजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 'गाय धर्म एवं विज्ञान' ग्रंथ का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा-2025 के लिए तैयार किए गए संदर्भ ग्रंथ गाय धर्म एवं विज्ञान के नवीनतम संस्करण का अपने निवास कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में विमोचन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रंथ को गौ विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों और समाज के लिए उपयोगी बताते हुए समिति के प्रयासों की सराहना की और इसे ज्ञानवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर ग्रंथ के संपादक श्री सुबोध राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुस्तक में गौ की उत्पत्ति से जुड़े पौराणिक तथ्यों के साथ-साथ गाय के दूध, दही, घी, गोबर और गोमूत्र पर हुए विभिन्न वैज्ञानिक शोधों को प्रमाणों सहित बच्चों के अध्ययन हेतु सरल एवं व्यवस्थित रूप में संकलित किया गया है। इसके साथ ही गौ-आधारित कृषि, पंचगव्य उत्पादों का वैज्ञानिक विश्लेषण तथा गौ के पर्यावरणीय महत्व को भी विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। विमोचन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रांत संयोजक श्री अन्ना सपारे, श्री मनोज पाण्डेय, श्री हार्दिक कोटक, श्री मन्मथ शर्मा, श्री दुलार सिंह सिन्हा, श्री हेमराज सोनी, श्री विक्रम केवलानी, श्री अनुज तुलावी, श्रीमती रेवा यादव, श्री विक्रांत शर्मा, श्री श्याम अड़ेपवार, श्री शंभु दास महंत सहित संपादक मंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

छह माह बाद भी ज्वाइनिंग नहीं: 20 शिक्षकों पर कार्रवाई की तैयारी, जांच दल गठित

रायपुर। शिक्षक युक्तियुक्तकरण को लगभग छह महीने बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद 11 मिडिल स्कूल शिक्षकों ने अब तक अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। खास बात यह है कि इन शिक्षकों के अभ्यावेदन पहले ही अमान्य घोषित किए जा चुके हैं। समय पर ज्वाइनिंग नहीं देने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए संयुक्त संचालक (जेडी) ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं और जांच दल का गठन किया है। जांच की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को सौंपी गई है। इस आदेश के बाद बिना पदभार ग्रहण किए बैठे शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

सीईएस 2026 – सैमसंग ने द फर्स्ट लुक 2026 टीज़र पेश किया

गुरुग्राम: यह टीज़र सैमसंग के अपने उत्पादों और सेवाओं में एआई को शामिल करने के विज़न को दिखाता है, और कंपनी को एक विश्वसनीय पार्टनर के रूप में स्थापित करता है जो यूजर की रोजमर्रा की जिंदगी में एआई अनुभवों को बेहतर बनाता और उसे सपोर्ट करता है। इवेंट का उत्साह बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किये गये इस वीडियो में शानदार लाइट्स और लाइनों का उपयोग किया गया है जोकि द फर्स्ट लुक में डेब्यू करने वाले नए इनोवेशन्स का माहौल सेट करता है। यह दिखाता है कि सैमसंग ने अपने पोर्टफोलियो में कितनी सहजता से एआई को शामिल किया है। फाइनल सीन में, लाइट इवेंट के वेन्यू विन्न लास वेगास की ओर जाकर थीम को प्रस्तुत करती हैं। द फर्स्ट लुक 2026 विन्न लास वेगास में एक मीडिया इवेंट के साथ आधिकारिक रूप से 4 जनवरी को शाम 7 बजे पीएसटी पर शुरू होगा यानी सीईएस 2026 के उद्घाटन से दो दिन पहले। उसके बाद 7 जनवरी तक चार दिन प्रदर्शनियों, टेक फोरम्स और अन्य इवेंट्स का आयोजन होगा। मीडिया इवेंट में प्रमुख सैमसंग के प्रमुख एक्जीक्यूटिव्स शामिल होंगे, जिनमें टीएम रोह, सीईओ और डिवाइस एक्सपीरियंस (डीएक्स) डिवीजन के हेड; एसडब्ल्यू यॉन्ग, प्रेसिडेंट और विजुअल डिस्प्ले (वीडी) बिज़नेस के हेड; और चेओलगी किम, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और डिजिटल अप्लायंस (डीए) बिज़नेस के हेड शामिल हैं। वे अपने-अपने क्षेत्रों में ग्राहक अनुभव इनोवेशन रणनीतियों का खाका पेश करेंगे। टेक फोरम्स 5 से 6 जनवरी तक आयोजित होंगे, जिसमें एआई, होम अप्लायंसेज और डिज़ाइन सहित विषयों पर चार सेशन होंगे। द फर्स्ट लुक 2026 के बारे में अधिक जानकारी सैमसंग न्यूज़रूम पर बताई जाएगी।

वनांचल क्षेत्र बोड़ला की बेटियाँ देश का नाम रोशन कर रही हैं - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित चार दिवसीय मुस्कान हॉकी कप राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यभर से आए खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनकी खेल भावना, अनुशासन तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बोड़ला की अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ममतेश्वरी लहरे, राजनांदगांव की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनिशा साहू, कोच श्री चौहान सहित अन्य प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपने समर्पण और मेहनत से जिले, प्रदेश और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास से बोड़ला को हॉकी के एक सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा।

बेटियों की उपलब्धियाँ पूरे प्रदेश के लिए गौरव- अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि वनांचल क्षेत्र बोड़ला की बेटियाँ हॉकी में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, जो कबीरधाम जिले और छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। ऐसी राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के आत्मविश्वास, तकनीकी कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को निखारने में अहम भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने बताया कि नगर पंचायत बोड़ला में मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया है और खिलाड़ियों एवं नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए कि किन अतिरिक्त सुविधाओं का विकास किया जाए, ताकि प्रशिक्षण और अभ्यास का बेहतर वातावरण मिल सके। साथ ही, जिले के विद्यालयों में स्मार्ट क्लास सुविधाएं विकसित की जा चुकी हैं और शीघ्र ही बोड़ला के विद्यालयों में भी स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी।

छत्तीसगढ़ में वीर बाल दिवस का राज्यव्यापी आयोजन

रायपुर। भारत सरकार के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में आज 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस राज्यभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह दिवस दसवें सिख गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के बलिदान की स्मृति में आयोजित किया गया।

राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक श्री नंदलाल चौधरी, यूनिसेफ राज्य प्रमुख सुश्री चेतना देसाई, श्री विपिन ठाकुर, उप संचालक श्रीमती नीलम देवांगन सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं रायपुर, महासमुंद व धमतरी की बाल देखरेख संस्थाओं के उत्कृष्ट बच्चे शामिल हुए। राज्य एवं जिला स्तर पर आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं बाल देखरेख संस्थाओं में बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध, भाषण, नाटक, प्रश्नोत्तरी, रैलियों एवं खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही सभी स्थानों पर बच्चों को नई दिल्ली से आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का लाइव टेलिकास्ट भी दिखाया गया।

इस अवसर पर साहिबजादों की शहादत से प्रेरणा लेते हुए बच्चों में साहस, देशभक्ति, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

कोण्डागांव की योगिता मंडावी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले की प्रतिभाशाली बालिका योगिता मंडावी ने जूडो खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित बालिका गृह, कोण्डागांव में पली-बढ़ी योगिता को उनकी उल्लेखनीय खेल उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा योगिता मंडावी को यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में देशभर से चयनित प्रतिभाशाली बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों जैसे खेल, नवाचार, सामाजिक सेवा, कला एवं संस्कृति आदि में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि योगिता मंडावी ने कम उम्र में ही जूडो खेल में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। मात्र 13 वर्ष की आयु में उन्होंने राज्य की श्रेष्ठ जूडो खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगातार पदक अर्जित कर अपनी निरंतर प्रगति और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने योगिता मंडावी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता से नई पीढ़ी को आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा मिलती है। योगिता की उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है, बल्कि बालिका गृह एवं बाल कल्याण संस्थाओं में रह रहे बच्चों के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत भी है। उन्होंने यह साबित किया है कि संसाधनों की सीमाएँ नहीं, बल्कि सपनों के प्रति लगन और परिश्रम ही सफलता का वास्तविक आधार है।

कल्याण आश्रम के 73वें स्थापना दिवस एवं बाला साहब देशपांडे जयंती पर भव्य वार्षिकोत्सव का आयोजन

आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान, इसके संरक्षण का दायित्व हम सभी का : वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के 73वें स्थापना दिवस एवं संस्थापक बाला साहब देशपांडे की जयंती के अवसर पर आज कल्याण आश्रम विद्यालय परिसर में वार्षिकोत्सव एवं स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि नागपुर हाईकोर्ट के अधिवक्ता श्री गजानन असोले एवं देवमंगल मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव श्री गोविंद नारायण सिंह उपस्थित रहे। समारोह में विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, नगरपालिका जशपुर के अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जनपद पंचायत जशपुर के अध्यक्ष श्री गंगाराम भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति भगत, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कल्याण आश्रम के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए संस्थापक बाला साहब देशपांडे को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान है और इसे सहेजना हम सबका सामूहिक दायित्व है। जनजातीय समाज की संस्कृति, कला और जीवनशैली के संरक्षण में बाला साहब देशपांडे का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीता आया है। वृक्ष, पर्वत, नदियां, धरती माता और गौमाता की पूजा प्रकृति के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है। आज आदिवासी खान-पान, जैविक खेती तथा कोदो-कुटकी जैसे पौष्टिक अनाजों को वैश्विक स्तर पर अपनाया जा रहा है, जो जनजातीय परंपराओं की प्रासंगिकता को सिद्ध करता है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महानायकों ने देश की आज़ादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में घोषित कर आदिवासी समाज के योगदान को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ हुई है। राममंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल लोक जैसे कार्यों से भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊर्जा मिली है। वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नवा रायपुर में निर्मित जनजातीय संग्रहालय जनजातीय संस्कृति और महानायकों के योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

संपादकीय

तमाम बातें हवाई ही बनी रहेंगी

पेरिस स्थित इनइक्वलिटी लैब की यह टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि 'भारत दुनिया के उन देशों में है, जहां गैर-बराबरी उच्चतम स्तर पर है और जिसे कम करने की दिशा में हाल के वर्षों में कोई प्रगति नहीं हुई। वैसे तो यह पूरी दुनिया का हाल है कि आर्थिक गैर-बराबरी 'ऐतिहासिक रूप से उच्चतम स्तर' पर पहुंच गई है और इसमें 'लगातार इजाफा' हो रहा है, लेकिन पेरिस स्थित इनइक्वालिटी लैब की ताजा रिपोर्ट का भारत के संदर्भ में एक अलग महत्त्व भी है। हाल में सरकारी एजेंसियों ने आंकड़ों के खेल से नैरेटिव बनाने की कोशिश की है कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियां आर्थिक विषमता को घटाने में कामयाब रही हैं। ऐसे में 200 विश्व-स्तरीय अर्थशास्त्रियों के श्रमसाध्य शोध से तैयार इनइक्वालिटी लैब की रिपोर्ट में शामिल दो टिप्पणियां उल्लेखनीय हो जाती हैं। पहली यह कि 'भारत दुनिया के उन देशों में है, जहां गैर-बराबरी उच्चतम स्तर पर है और जिसे कम करने की दिशा में हाल के वर्षों में कोई प्रगति नहीं हुई है'तथा यह कि 'भारत में आय, धन एवं लैंगिक लिहाज से हर स्तर पर विषमता मौजूद है, जो अर्थव्यवस्था के अंदर ढांचागत विभाजन पर रोशनी डालती है।' रिपोर्ट बताती है कि भारत में आमदनी संबंधी गैर-बराबरी की चौड़ी खाई मौजूद है, जबकि धन संबंधी विषमता की खाई उससे भी ज्यादा गहरी है। मसलन, नीचे की 50 फीसदी आबादी के पास कुल आमदनी का महज 15 फीसदी हिस्सा जाता है, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की जेब 22.6 प्रतिशत हिस्सा चला जाता है। धन की बात करें, तो निम्न आधी आबादी के पास देश के कुल धन का महज 6.4 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि इसका 40.1 फीसदी हिस्सा टॉप एक प्रतिशत लोगों के पास है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि निम्न 50 प्रतिशत आबादी की औसत सालाना आय एक लाख रुपये से कम है, जबकि उसके बाद की 40 फीसदी आबादी की औसत सालाना आय साढ़े चार लाख रुपये से कम है। तो कुल मिलाकर जिसे भारत का बाजार का जाता है, वह टॉप दस प्रतिशत लोगों तक सीमित रह जाता है, जिनकी औसत सालाना आय पांच लाख से एक करोड़ रुपये तक है। स्पष्टत: ये आंकड़े भारत के बारे में यथार्थवादी समझ बनाने का महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं। ऐसी समझ के बिना देश के विकास एवं प्रगति की तमाम बातें हवाई ही बनी रहेंगी।

यूनुस की भूमिका ही संदेहास्पद

भारत ने बांग्लादेश को 2024 और 2025 में 120-120 करोड़ रुपए के पैकेज दो बार दिए। 'लाइन ऑफ क्रेडिट' में 25 फीसदी कर्ज ब्याज की बेहद आसान दरों पर दिया। भारत बांग्लादेश को 60 फीसदी प्याज, 78 फीसदी मसालों, 65 फीसदी चावल, 19 फीसदी रासायनिक उत्पादों और करीब 20 फीसदी बिजली की आपूर्तियां करता है। ढाका का कपड़ा उद्योग भारत की कृपा पर ही चलता है। बांग्लादेश में मेडिकल वीसा की मांग सबसे अधिक भारत के लिए है। वहां के लोगों के अनुभव हैं कि भारत में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं हैं। यदि भारत मौजूदा हालात के मद्देनजर इन आपूर्तियों को रोक दे, तो क्या बांग्लादेश जिंदा रह सकता है? क्या बांग्लादेश में खाद्य संकट पैदा नहीं होगा और वह अंधेरे में डूब नहीं जाएगा? बांग्लादेश के साथ भारत नदियों का पानी और अन्य संसाधन भी साझा करता रहा है। दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 फौजियों का आत्मसमर्पण एक अर्द्धसत्य है। बांग्लादेश की मुक्ति और आजादी की उस लड़ाई में भारत को भी अपने 3864 जांबाज सैनिकों और अफसरों की शहादतें देनी पड़ी थीं। उस दौर में करीब 10 लाख बहन-बेटियों-माताओं के साथ बलात्कार किए गए थे। हत्याओं का कोई निश्चित आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (परोक्ष रूप में प्रधानमंत्री) मुहम्मद यूनुस का एक कुरूप यथार्थ सामने आया है कि उन्होंने 2016 में 3 लाख डॉलर (करीब 2.5 करोड़ रुपए) 'हिलेरी क्लिंटन फाउंडेशन' को दान दिए थे। यूनुस को अमरीका की कृपा से ही नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था। उनके 'गरीब, ग्रामीण बैंक' की दुनिया में खूब चर्चा हुई थी, लेकिन बाद में सच बेनकाब हुए कि गरीब, मछुआरों, किसानों का पैसा लूट कर किसको चढ़ावा दिया जा रहा था? यूनुस को जेल भी जाना पड़ा। तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी भी यूनुस को झेलनी पड़ी थी। ट्रंप आज भी अमरीकी राष्ट्रपति हैं, लिहाजा हिलेरी-यूनुस की कथित भ्रष्ट मिलीभगत, सांठगांठ और लेन-देन की जांच कराई जा रही है। यूनुस अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में बांग्लादेश में गद्दीनशीं किए गए। बाइडेन भी क्लिंटन की डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति थे। बहरहाल आज क्लिंटन परिवार अमरीकी राजनीति और प्रशासन में अप्रासंगिक है, लिहाजा अमरीका के स्तर पर आज कोई भी यूनुस का पैरोकार नहीं है। यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार 8 अगस्त, 2024 से जारी है, जबकि बांग्लादेश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। न जाने क्यों बांग्लादेश में किसी भी बौद्धिक और राष्ट्रवादी नागरिक ने इस व्यवस्था को अदालत में चुनौती नहीं दी है? संविधान में सिर्फयह व्यवस्था है कि कार्यवाहक सरकार को तीन महीने की अवधि में चुनाव निश्चित रूप से कराने हैं, ताकि एक जनादेशी और लोकतांत्रिक सरकार देश का नेतृत्व संभाल सके। आज बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा, सांप्रदायिकता, हत्याओं का दौर है, तो यूनुस ही उसके लिए 'खलनायक' हैं, क्योंकि वह कट्टरपंथी जमात को उकसा रहे हैं। सजायाफ्ता आतंकियों को जेल से रिहा कराया है। सड़कों पर भारत-विरोधी, हिंदू-विरोधी जो भीड़ नजर आ रही है, यूनुस उसे नियंत्रित ही नहीं करना चाहते। वह चुनाव को आगे खिसकाने के मंसूबों पर काम कर रहे हैं। यूनुस ने अपने कार्यकाल में, खासकर 1.30 करोड़ अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए, ऐसे अराजक और हत्यारे हालात बना दिए हैं कि हिंदू खौफऔर दहशत में जीने को अभिशप्त हैं। जिस निर्ममता, बर्बरता के साथ हिंदुओं की हत्याएं की गई हैं, भारत के विरोध में हमलावर दुष्प्रचार जारी है, उसके मद्देनजर भारत सरकार को बांग्लादेश की आपूर्तियों में तुरंत कटौती करनी चाहिए और अंतरिम सरकार को निर्णायक चेतावनी जारी करनी चाहिए। देश की मोदी सरकार को अविलंब हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि बांग्लादेश में इंसाफ और इनसान दोनों ही जल रहे हैं। यूनुस एक साल में दो बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफसे मुलाकात कर चुके हैं। वह पाकिस्तान के 'फौजी तानाशाह' मुनीर के मोहरा बने हैं। जिन्होंने छात्र आंदोलन के जरिए प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट किया था, उनके अग्रणी नौजवान नेताओं की अचानक हत्याएं की जा रही हैं।

सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में असमानता

अजीत द्विवेदी

यह निष्कर्ष पुराना है कि भारत एक गहरी आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक असमानता वाला देश है। सामाजिक असमानता में जातीय, धार्मिक और लैंगिक असमानता सब शामिल है। यह निष्कर्ष हर साल आने वाली इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्ट से प्रमाणित होता है। इस साल की फ्रांस की इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्ट बुधवार, 10 दिसंबर को प्रकाशित हुई। पिछले साल के मुकाबले इस रिपोर्ट में ज्यादा कुछ नहीं बदला है। भारत की एक फीसदी आबादी के पास देश की 40 फीसदी संपत्ति है। अगर इसका दायरा थोड़ा बड़ा करें तो दिखेगा कि शीर्ष 10 फीसदी आबादी के पास कुल संपत्ति का 65 फीसदी हिस्सा है। इनकी तुलना में सबसे नीचे के 50 फीसदी लोगों को देखें तो उनके पास सिर्फ 6.4 फीसदी दौलत है।

इसका मतलब है कि बीच के 40 फीसदी यानी मध्य वर्ग के पास 30 फीसदी से कुछ कम संपत्ति है। दुनिया के स्तर पर यह असमानता थोड़ी ज्यादा दिखती है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के सिर्फ 60 हजार लोगों यानी कुल आबादी के 0.001 फीसदी के पास इतनी संपत्ति है, जितनी नीचे की 50 फीसदी आबादी के पास नहीं है। दुनिया की आधी आबादी यानी करीब चार सौ करोड़ लोगों से ज्यादा संपत्ति सिर्फ 60 हजार लोगों के पास है।

असमानता की ताजा रिपोर्ट से यह मिथक भी टूटा है कि मौजूदा सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में असमानता बढ़ रही है। असल में भारत में पहले जो आर्थिक असमानता थी इस सरकार ने उसी को मेंटेन किया है। देश के सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों और सबसे गरीब 50 फीसदी लोगों की आय के बीच 2014 में 38 फीसदी का अंतर था, जो 2024 में 38.2 फीसदी हुआ है। यानी दोनों की आय की असमानता लगभग उतनी ही है, जितनी 10 साल पहले थी। इसका अर्थ है कि भारत की आर्थिक नीतियों की निरंतरता कायम है। जिन नीतियों ने असमानता को बढ़ाया उन्हें जारी रखा गया है।

अगर स्थायी संपत्ति की बात छोड़ें तो देश में हर साल जो आय उत्पादित हो रही है उसका 58 फीसदी हिस्सा ऊपर की 10 फीसदी आबादी के पास जा रहा है और नीचे की 50 फीसदी आबादी के पास आय का सिर्फ 15 फीसदी हिस्सा जा रहा है। यानी जिन लोगों के पास 65 फीसदी संपत्ति है उनके पास कुल

आय का 58 फीसदी जा रहा है और जिनकी कुल संपत्ति 6.4 फीसदी है उनके पास कुल आय का 15 फीसदी जा रहा है।

अगर रुपए के हिसाब से देखें तो भारत में नीचे की 50 फीसदी आबादी की प्रति व्यक्ति सालाना आय एक लाख रुपए से कम है। यानी 70 करोड़ की आबादी की प्रति व्यक्ति मासिक आय आठ हजार रुपए के करीब है। इनके मुकाबले एक फीसदी आबादी यानी एक करोड़ 40 लाख टॉप लोगों की औसत सालाना आय डेढ़ करोड़ रुपए के करीब है। इस वर्ग के लोग औसतन हर महीना 12 लाख रुपए से ज्यादा कमाते हैं। सोचें, आठ हजार रुपए और 12 लाख रुपए महीना के फर्क पर! अगर टॉप 10 फीसदी की आय देखें तो उनकी औसत सालाना आय 40 लाख रुपए के करीब है। उसके बाद मध्य वर्ग के 40 फीसदी लोग आते हैं, जिनकी औसत सालाना आय साढ़े चार लाख रुपए के करीब है यानी 40 हजार रुपया महीना से कम।

इस असमानता को अगर जाति, धर्म, लिंग और क्षेत्र के हिसाब से देखेंगे तो और भयावह तस्वीर सामने आएगी। देश के सबसे पिछड़े राज्य बिहार में तो एक करोड़ परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक आमदनी छह हजार रुपए है। यह बिहार सरकार की ओर से कराई गई जाति गणना में पता चला। इसका मतलब है कि करीब पांच करोड़ लोग ऐसे हैं, जो महीने का 12 सौ रुपया कमाते हैं। भारत में अपनाई गई आर्थिक नीतियों को देखते हुए कह सकते हैं कि निकट भविष्य में इस स्थिति में सुधार की कोई संभावना नहीं दिख रही है।

भारत लंबे समय से ट्रिकल डाउन थ्योरी पर चल रहा है। इसका अर्थ है कि ऊपर वालों का घड़ा भर जाएगा तो उसमें रिस कर नीचे गिरना शुरू होगा, जिससे बाकी लोगों का भला होगा। लेकिन मुश्किल यह है कि ऊपर वाले लगातार अपने घड़े का आकार बढ़ाते जा रहे हैं। उनका घड़ा भरने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। तभी भारत की बड़ी आबादी सरकार प्रायोजित सर्वाइवल स्कीम्स पर पल रही है।

इस रिपोर्ट में एक खास बात यह है कि आजादी के बाद एक समय ऐसा आया था, जब टॉप 10 फीसदी और बॉटम 50 फीसदी के बीच का अंतर काफी कम हो गया था। वह अच्छा था या बुरा यह अलग विश्लेषण का विषय है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि आजादी के बाद जो मिश्रित अर्थव्यवस्था वाली नीति अपनाई गई थी उसने निजी तौर पर लोगों के बेहिसाब दौलत इकट्ठा करने या बेहिसाब कमाई करने पर रोक लगाई थी। ब्रिटिश शासन में ऊपर के 10 फीसदी और नीचे के 50 फीसदी के बीच जो अंतर था वह 1940 से कम होना शुरू हुआ था और 1980 के दशक में सबसे कम था।

1983-84 के आसपास भारत के शीर्ष 10 फीसदी लोगों की कुल आय में हिस्सेदारी 30 फीसदी से नीचे आ गई थी, जबकि नीचे के 50 फीसदी की हिस्सेदारी बढ़ कर 23 फीसदी तक पहुंच गई थी। परंतु 1991 में अपनाई गई उदार आर्थिक नीतियों के बाद एक बार फिर असमानता बढ़ने लगी। 2024 में नीचे के 50 फीसदी की आय 15 फीसदी पर आ गई और ऊपर के 10 फीसदी की आय 58 फीसदी पहुंच गई। इसमें टॉप एक फीसदी के पास कुल आय का 22.6 फीसदी जा रहा है। जब मिश्रित अर्थव्यवस्था थी तब सरकार माईबाप थी लेकिन उस समय कम आबादी सरकार माईबाप पर निर्भर थी। आज ज्यादा बड़ी आबादी माईबाप सरकार की ओर से प्रायोजित सर्वाइवल स्कीम्स पर निर्भर है।

अब सवाल है कि भारत में अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों से भी ज्यादा असमानता होने का मूल कारण क्या है? इसके कई कारण हैं और गौर से देखें तो सारे कारण सामने दिखते हैं। सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करती है लेकिन असल में सबके साथ से कुछ लोगों का विकास होता है। भारत में टैक्स का सिस्टम ऐसा है कि देश के गरीब से गरीब आदमी को भी वैसे ही अप्रत्यक्ष कर यानी जीएसटी भरना है, जैसे अमीर आदमी को भरना है। दूसरी ओर अमीर आदमी के लिए कॉरपोरेट टैक्स में भारी भरकम छूट से लेकर बैंकों का कर्ज माफ होने तक की सुविधा है।

मजदूरों और पेशेवरों की मजदूरी या वेतन कछुआ चाल से बढ़ रहा है, जबकि कॉरपोरेट मुनाफा, शेयर बाजार की कमाई और रियल इस्टेट की आय दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट नहीं बढ़ा रही है। इसका नतीजा है कि गरीब और मध्य वर्ग की ठहरी हुई कमाई का बड़ा हिस्सा शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च होता है। ऐसे में उसकी संपत्ति कहां से बढ़ेगी? सरकार डंका पीटती है कि रिकॉर्ड टैक्स कलेक्शन हो रहा है लेकिन उस टैक्स का डिस्ट्रीब्यूशन कैसे हो रहा है यह कभी नहीं बताया जाता है। आम लोगों को 'मुफ्त की रेवड़ी' पर निर्भर बना कर कॉरपोरेट की कमाई बढ़ाई जा रही है। यही आर्थिक असमानता का सबसे बड़ा कारण है।

ग्रामीण आर्थिकी मजबूत करेगा जी राम जी

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए दो महत्वपूर्ण परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। एक, ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती हुई खपत के बीच ग्रामीण गरीबी में लगातार कमी आ रही है। दो, हाल ही में 16 दिसंबर को सरकार के द्वारा संसद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने और इसकी जगह 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार ऐंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), यानी वी बी जी राम जी नामक नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने संबंधी स्वीकृत किया गया विधेयक कानून बनने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हुए दिखाई देगा। गौरतलब है कि इस समय ग्रामीण भारत भारतीय अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण भारत का योगदान बढ़ता जा रहा है। भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। ये खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती प्रतिबद्धता को दिखाता है। हाल ही में 11 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों के द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। नाबार्ड के सर्वे में यह उभरकर सामने आया है कि अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में खपत इतनी तेज रफ्तार से कभी नहीं बढ़ी है। सर्वे यह भी बताता है कि निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती और गैर-खेती दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है। केवल औपचारिक स्त्रोतों (बैंक, सहकारी संस्थाएं आदि) से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा 58.3 फीसदी हो गया, जो सितंबर 2024 के 48.7 फीसदी था। वस्तुत: ग्रामीण भारत में बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और मजबूत सरकारी समर्थन का संयुक्त परिणाम है। नि:संदेह गांवों में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। गांवों में भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर विश्वास बढने, ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज की निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर बढने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। देश के गांवों में अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक ऋण व्यवस्था ने अच्छी प्रगति की है। गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56579 हो गई। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। अब संसद में स्वीकृत किए गए वी बी जी राम जी विधेयक के कानून बनने के बाद ग्रामीण रोजगार योजना में बड़ा बदलाव आएगा। प्रत्येक परिवार के लिए रोजगार गारंटी कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करने और मौजूदा फंडिंग संरचना को बदलने का प्रस्ताव है। केंद्र और राज्यों के बीच फंडिंग की हिस्सेदारी मौजूदा अधिकतम 90 : 10 अनुपात के मुकाबले 60 : 40 के अनुपात में होगी। मसौदा विधेयक में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्य कर रही मनरेगा को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना में बदल दिया गया है। ग्रामीण रोजगार स्वाभाविक रूप से स्थानीय है और राज्यों को अब लागत और जिम्मेदारी साझा करनी होगी। ग्राम पंचायत योजनाओं के माध्यम से विकास योजनाएं, क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किए जाएं। राज्य सरकारें किसी वित्तीय वर्ष में 60 दिनों (दो महीने) की अवधि को, जो बोआई और कटाई वाले मौसम में होगा, पहले से अधिसूचित करेंगी और इस दौरान अधिनियम के तहत कोई काम नहीं किया जाएगा। इससे बोआई या कटाई के दौरान श्रम की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही मजदूरी में वृद्धि को रोका जा सकेगा जो खाद्य कीमतों को बढ़ाती है। श्रमिकों को बाकी 300 दिनों में अब भी रोजगार के लिए 125 गारंटी वाले दिन मिलेंगे। इससे किसानों और श्रमिकों दोनों को लाभ होगा। निश्चित रूप से केंद्र सरकार अब जी राम जी के तहत ऐसे मॉडल की स्थापना करने जा रही है, जिससे गांव के स्तर पर विकास कार्यों की दिशा तय हो। जिन चार प्राथमिकताओं का जिक्र किया गया है, उनमें जल सुरक्षा मुख्य ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका से जुड़े बुनियादी ढांचे और मौसमी घटनाओं के लिए विशेष कार्य शामिल हैं।

वीर बाल दिवस : युवा भारत की प्रेरणा

डॉ. शिवानी कटारा

भारत का इतिहास केवल तिथियों और युद्धों का संकलन नहीं है, बल्कि वह मानवीय साहस, नैतिक दृढ़ता और आत्मबल की जीवंत परंपरा है। वीर बाल दिवस, जो प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया जाता है, इसी परंपरा का एक अमर अध्याय है। यह दिवस सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों—साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह—के अद्वितीय बलिदान की स्मृति को समर्पित है। मात्र नौ और छह वर्ष की आयु में इन बाल वीरों ने धर्म, सच्चाई और आत्मसम्मान के लिए जो साहस दिखाया, वह आज भी भारत की चेतना को आलोकित करता है।

इतिहास- 1705 का समय था। मुगल सत्ता का अत्याचार चरम पर था और गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे—अजित सिंह और जुझार सिंह—युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए। उन्हें भय दिखाया गया, प्रलोभन दिए गए और निरंतर दबाव डाला गया कि वे अपना धर्म छोड़ दें। यह दबाव मुगल सूबेदार वज़ीर ख़ान के आदेशों के तहत बढ़ाया गया, किंतु उन बच्चों ने अत्यंत शांति और दृढ़ता से यह स्पष्ट कर दिया कि आस्था कोई सौदे की वस्तु नहीं होती। परिणामस्वरूप उन्हें दीवार में जीवित चिनवा दिया गया। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं थी, बल्कि मानव आत्मा की सर्वोच्च परीक्षा थी, जहाँ शरीर पर अत्याचार था, पर आत्मा अडिग थी। जैसा कि कहा गया है— साहस

का अर्थ डर का न होना नहीं, बल्कि डर के होते हुए भी सत्य के साथ खड़े रहना है। इसी क्षण बचपन ने इतिहास को दिशा दी और यह सिद्ध किया कि उम्र छोटी हो सकती है, पर चेतना और साहस अनंत हो सकते हैं।

Gen Z और मानसिक स्वास्थ्य- भारत सरकार ने वर्ष 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया, ताकि देश के बच्चे और युवा इन बलिदानों से परिचित हो सकें। यह दिवस केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि संकल्प का आह्वान है—कि हम अपने जीवन में सत्य, नैतिकता और आत्मसम्मान को सर्वोपरि रखें। आज यह संदेश विशेष रूप से Gen Z के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि यही पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। हालिया अध्ययनों के अनुसार भारत में 15-29 वर्ष के लगभग हर पाँचवें युवा में चिंता, अवसाद या भावनात्मक तनाव के लक्षण पाए जाते हैं, और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण यह भी दर्शाता है कि 18-29 आयु वर्ग में मानसिक विकारों की दर उल्लेखनीय है। UNICEF की रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया है कि बड़ी संख्या में भारतीय युवा अक्सर घबराहट, अकेलेपन और भविष्य को लेकर असुरक्षा महसूस करते हैं, लेकिन सहायता माँगने में झिझकते हैं। ऐसे समय में वीर बाल दिवस की कथा एक दर्पण भी है और दीपक भी—दर्पण इसलिए कि यह हमें हमारी कमजोरियों का बोध कराती है, और दीपक इसलिए कि यह आत्मबल का मार्ग दिखाती है।

नई वीरता- साहिबजादों का जीवन त्दद्दठ्ठ ॅ को यह सिखाता है कि आत्मसम्मान बाहरी स्वीकृति से नहीं, बल्कि भीतर की आस्था से जन्म लेता है। अत्यधिक दबाव में भी उन्होंने अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया; आज के युवाओं के लिए यह peer pressure और तुलना-संस्कृति का सबसे सशक्त उत्तर है। उनकी कथा बताती है कि जीवन की महानता उसकी लंबाई में नहीं, बल्कि उसकी गहराई और उद्देश्य में होती है, और मानसिक दृढ़ता किसी उम्र की मोहताज नहीं। जब जीवन प्रश्नों से घिर जाए, तब मूल्य ही उत्तर बनते हैं—यह विचार आज मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मानसिक स्वास्थ्य केवल तनाव-प्रबंधन नहीं, बल्कि मूल्य-आधारित जीवन जीने की क्षमता है। जब व्यक्ति अपने मूल्यों से जुड़ा रहता है, तो असफलता भी उसे तोड़ नहीं पाती। आज की दुनिया में वीरता केवल रणभूमि की नहीं, मनोभूमि की भी है—परीक्षा में असफल होने के बाद फिर उठ खड़े होना, अपनी मानसिक पीड़ा के बारे में खुलकर बोलना, मदद माँगना, गलत आदतों को छोड़ना और सच के साथ खड़े रहना। वीर बाल दिवस 2025 हमें यह भरोसा देता है कि युवा अकेले नहीं हैं; उनके पास ऐसी विरासत है जो उन्हें मानसिक दृढ़ता, आत्मसम्मान और अर्थपूर्ण जीवन की दिशा देती है। आइए, इस वीर बाल दिवस पर संकल्प लें कि हम अपने और अपने साथियों के mental health को प्राथमिकता देंगे, एक-दूसरे को सुनेंगे, समझेंगे और साहस के साथ जीना सीखेंगे, क्योंकि जब मूल्य मजबूत होते हैं, तभी मन भी मजबूत होता है।

स्ट्रेस दूर करने के खाएं ये सुपर फूड्स

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण लोग बहुत सी चिंताओं से घिरे हुए हैं। वहीं ओवर थिंकिंग यानि जरूरत से ज्यादा सोचना तो एक गंभीर समस्या बन चुकी है। इसके कारण व्यक्ति तनाव में जल्दी ही आ रहे हैं। इससे बचने के लिए एक्सपर्ट्स द्वारा योग, मेडिटेशन व सकारात्मक सोचने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा डेली डाइट में कुछ बदलाव करके भी आप इस परेशानी से बच सकती है। चलिए आपको इस आर्टिकल में स्ट्रेस दूर करने के कुछ खास सुपर फूड्स के बारे में बताते हैं.

दही

दही पाचन तंत्र मजबूत करने के साथ इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद गुड़ बैक्टीरिया कोर्टिसोल के स्तर को कम करने और संतुलित करने में मददगार होते हैं। ऐसे में तनाव कम होकर मन शांत होता है।

ओटमील

पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर ओटमील दिमाग के लिए फायदेमंद होता है। इसके सेवन से दिमाग में सेरोटोनिन रिलीज होने में मदद मिलती है। सेरोटोनिन एक फील-गुड कैमिकल है जो मूड बेहतर करने में मदद करता है। ऐसे में चिंता व तनाव कम होने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह पाचन तंत्र मजबूत करके बेहतर शारीरिक विकास करने में मदद करता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में थीनिन नामक एक एमिनो एसिड होता है। यह वजन घटाने के साथ स्ट्रेस कम करने में मदद करती है। इसके सेवन से दिमाग की कोशिकाएं बेहतर तरीके से काम करती है। ऐसे में इसे ब्रेन बूस्टर फूड कहा जाता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट स्वाद के साथ सेहत बरकरार रखने में भी मदद करती है। इसके सेवन से मूड बेहतर ओ स्ट्रेस कम होने में मदद मिलती है। इसमें मौजूद पॉलीफेनोल कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा डार्क चॉकलेट में शुगर की मात्रा बहुत कम होने डायबिटीज व वजन कंट्रोल रहता है। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण चेहरे पर ग्लो लाने में भी मदद करते हैं।

काजू

काजू विटामिन्स, मिनरल्स, आयरन, पोटैशियम व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। इसके अलावा यह जिंक का एक अच्छा स्त्रोत है जो चिंता और डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में मददगार साबित होता है। इसके इसके सेवन से बेहतर शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

दिमाग को जवान रखने में बेहद फायदेमंद है मेडिटेरेनियन डाइट

आज के समय में हम अक्सर अपने खाने पीने की चीजों को लेकर थोड़ा सोचने लगे हैं। नॉन वेज लवर अक्सर यह दलील देते दिखाई देते हैं कि उनके भोजन में अधिक पोषक तत्व हैं जिसकी वजह से वह लंबे समय तक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं। लेकिन हाल ही में अमेरिकन हेल्थ एसोसिएशन ने एक रिसर्च जारी की है जो हार्वर्ड टी एच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के विशेषज्ञों द्वारा की गई है। यह रिसर्च बताती है कि दिन में 2 फलों की सर्विंग और 3 सब्जियों की सर्विंग आपको लंबे समय तक सेहतमंद रखती है। यानी नॉन वेज नहीं बल्कि वेज फूड ज्यादा फायदेमंद होता है। पर क्या सभी सब्जियां और फल फायदेमंद होते हैं।

इस अध्ययन केलेखक कहते हैं कि बताई गई 5 सर्विंग की मात्रा का सेवन करना आपको कई पुरानी और भयंकर बीमारियों से बचाने का कार्य करता है। लेकिन इसका मतलब कतई यह नहीं है कि आप किसी भी तरह के फल और सब्जी का सेवन कर सकते हैं। सभी फल और सब्जी उतने गुणकारी नहीं होते। आइए, जानते हैं कि कैसे हुई यह रिसर्च और कौन से फल और सब्जी आपके लिए फायदेमंद हैं। मेडिटेरेनियन डाइट दिमाग को जवान रखने में बेहद फायदेमंद है। एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने मेडिटेरेनियन डाइट के उन सकारात्मक असर का खुलासा किया है, जो दिमाग पर पड़ते हैं। साथ ही उनका यह भी कहना है कि उसके साथ वेस्टर्न फूड को शामिल करने से बचना चाहिए क्योंकि उसके बाद यह नकारात्मक असर डाल सकता है।

क्या है मेडिटेरेनियन डाइट?

प्लांट बेस्ड डाइट को मेडिटेरेनियन डाइट कहा जाता है। इसमें हर तरह की सब्जियां, फल और अनाज शामिल होते है। नट्स और सीड्स से इस डाइट को बेहतर बनाया जाता है। इसको फॉलो करने वाले लोग अपना खाना सिर्फ ऑलिव ऑयल में ही पकाते हैं।

मेडिटेरेनियन डाइट का फायदा

शिकागो के रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के वैज्ञानिकों ने मेडिटेरेनियन डाइट का हैरतअंगेज फायदा बताया है। वैज्ञानिक बताते हैं कि मेडिटेरेनियन डाइट लेने वाले लोगों का दिमाग अन्य के मुकाबले अधिक जवान रहता है । लेकिन यह असर तभी हो सकता है, जब सिर्फ इसी डाइट का इस्तेमाल किया जाए। इस डाइट में नाश्ते में एवोकाडो, अंडे, ताजे फल, फ्लैक्स सीड्स आदि लेने चाहिए।

पश्चिमी डाइट मिलाने से हो सकता उल्टा नतीजा

इस रिसर्च में 1993-2023 तक 65 साल से ज्यादा उम्र के 5 हजार लोगों पर शोध किया गया था म्इस दौरान खास फूड्स और दिमागी सेहत पर उसके प्रभाव का उन्होंने आंकलन किया। इस संकलित डाटा के नतीजे से पता चला कि जो लोग मेडिटेरेनियन डाइट के पाबंद रहे, उनके दिमाग अन्य के मुकाबले 6 साल तक ज्यादा जवान रहे। वहीं जिन लोगों ने पश्चिमी डाइट में पिज्जा, बर्गर जैसे ज्यादा फूड्स खाए, उनके दिमाग पर नेगेटिव प्रभाव पड़ा।

ये कॉम्बो हो सकता है नुकसानदेह

आहार विशेषज्ञ और शोधकर्ता डॉक्टर पूजा अग्रवाल ने कहा, 'मेडिटेरेनियन डाइट का बड़ा हिस्सा सब्जियों, फलों, मछली और अनाज पर आधारित होता है। यह इंसान की सेहत के साथ ही दिमाग को भी सकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। लेकिन जब उसके साथ तला खाना, मिठाई, रिफाइन्ड अनाज, लाल मांस और प्रोसेस्ड मांस शामिल किया गया तो हमने देखा कि डाइट का मेडिटेरेनियन हिस्सा खाने के फायदे कम हो गए। उन्होंने इस रिसर्च के नतीजे के बाद सलाह दी कि मेडिटेरेनियन डाइट का फायदा उठाने के लिए प्रोसेस्ड फूड्स और अन्य गैर सेहतमंद फूड्स, जैसे तले हुए भोजन और मिठाई के सेवन को सीमित करना होगा।

फल और सब्जी जो है फायदेमंद

- हरी पत्तेदार सब्जियां, पालक, और सलाद पत्ता
- ऐसी सब्जियां जिनमें बीटा कैरोटीन मौजूद है।
- सिटरस फल और बैरीज।

नट्स होते हैं कंप्लीट पैकेज

हालांकि, ऐसे बहुत से आलोचक हैं जो इस रिसर्च की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं। लेकिन हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में पोषण विभाग के अध्यक्षों में से एक वाल्ट विलेट नट्स को अधिक फायदेमंद इनके अंदर पाए जाने वाले पोषक तत्वों की वजह से मानते हैं।
ज्ञात हो कि नट्स में एंटीऑक्सीडेंट, अनसैचुरेटेड फैट, फाइबर, प्रोटीन, मिनरल्स, और फाइटोस्टेरॉल जैसे पोषक तत्व शामिल हैं। नट्स के इन्हीं पोषक तत्वों के आधार पर इन्हें एक कंप्लीट पैकेज भी कहा जाता है। यही कारण है कि यह एक स्वस्थ जीवन जीने का आधार माने जाते हैं।
इसके अलावा एक रिसर्च में पीनट्स और पेड़ पर लगने वाले नट्स को भी उतना ही गुणकारी माना गया है। जितना की अखरोट आदि को। ऐसे में आप अगर चाहें तो ट्री नट्स का सेवन भी कर सकते हैं। इसमें आप हेजल नट्स, मैकाडामिया नट्स, पाइन नट्स, पिस्ता आदि को शामिल कर सकते हैं।

नट्स के साथ यह भी जरूरी

हालांकि, प्रोफेसर विलेट नट्स के अधिक सेवन करने को लेकर भी लोगों को चेता रहे हैं। ऐसा ना हो कि आप इसके गुण जानकर अधिक मात्रा में इनका सेवन करना शुरू कर दें। इसलिए विलेट कहते हैं कि इसके साथ साथ आप दूसरे हेल्दी फूड पर विचार कर सकते हैं, जैसे योगर्ट, चिकन, पनीर , फलिया आदि। ध्यान रहे कि आपको एक हेल्दी प्रोटीन डाइट पर फोकस करना है।

ब्रेन या नर्व डिसॉर्डर का संकेत है लगातार आंख फड़कना

अक्सर आंख फड़कती है तो लोग इसे शुभ या अशुभ संकेत के साथ जोड़ देते हैं जबकि यह किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। जी हां, अगर लगातार आंख फड़क रही है तो वह किसी बीमारी की ओर इशारा हो सकती है। ऐसे में उसे हल्के में लेना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। चलिए आपको बताते हैं कि आंखों का फड़कना किन बीमारियों का संकेत है.
दरअसल, पलकों की मांसपेशियों में ऐंठन आने की वजह से इंसान की आंख फड़कने लगती है, जो नीचे - ऊपर दोनों पलकों में हो सकता है। मेडिकल में ऐसा 3 अलग-अलग कंडीशन में होता है- मायोकेमिया, ब्लेफेरोस्पाज्म और हेमीफेशियल स्पाज्म।

- मायोकेमिया के कारण आंख फड़कना लाइफस्टाइल से जुड़ा हुआ है, जिसमें नीचे वाली पलक पर असर पड़ता है। हालांकि इसे सही लाइफस्टाइल से इसे कंट्रोल किया जा सकता है।
- ब्लेफेरोस्पाज्म एक ऐसी गंभीर स्थिति है, जिसमें इंसान की आंख पर कुछ सेकंड, मिनट या घंटों तक फड़कती रहती है। इसमें ऐंठन इतनी ज्यादा होती है कि आंख खुलती तक नहीं। इसमें लोग चाहकर भी आंख को कंट्रोल नहीं कर पाते।
- हेमीफेशियल स्पाज्म बेहद गंभीर मेडिकल कंडीशन हैं, जो अनुवांशिक कारणों से हो सकती है। इसमें आपको डॉक्टर की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है।

डॉक्टर्स के मुताबिक, डिस्टोनिया, बैन पल्सी, मल्टीपल सेलोरोसिस, सर्विकल डिस्टोनिया और पार्किन्सन जैसे ब्रेन या नर्व्स डिसऑर्डर के कारण भी लगातार आंख फड़क सकती है। हालांकि लाइफस्टाइलमें सुधार करके आप इससे छुटकारा पा सकते हैं। इसके अलावा इन कारणों से भी आंख फड़कने की समस्या हो सकती है.

अधिक तनाव लेना

दिनभर काम खत्म होने के बाद भी टेंशन में डूबे रहते हैं तो आपको भी आंख फड़कने की समस्या हो सकती है। स्ट्रेस से दूर रहने के लिए योग करें और हैल्दी डाइट लें।

आंखों पर स्ट्रेस पड़ना

पूरा दिन कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल या टीवी की स्क्रीन से चिपके रहने की वजह से आंखों पर दवाब पड़ता है, जिसके कारण आपको यह समस्या हो सकती है। आंखों को आराम देना बहुत जरूरी है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पलकें झपकाएं, आंखों पर बार-बार पानी के छिंटे मारे व आईज एक्सरसाइज करें।

नींद की कमी

शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिल पा रहा तो इसके कारण भी आंख फड़कने की परेशानी हो सकती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, हर व्यक्ति को रोज कम से कम 7-9 घंटे की नींद चाहिए होती है।

कैफीन का अधिक सेवन

चाय-कॉफी में कैफीन की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिससे शरीर को थकावट महसूस होती है। साथ ही इससे नींद में भी खलल पड़ता है। ऐसे में इसकी मात्रा कम करना ही आपके लिए बेहतर होगा।

अल्कोहल

अल्कोहल से ना सिर्फ आंख फड़कने की दिक्कत बढ़ेगी बल्कि धुंधलेपन भी हो सकता है। साथ ही इससे शरीर के दूसरे अंगों पर भी असर पड़ता है।

वजन कंट्रोल करने के लिए बेहद असरदार है गुड़-नींबू का आयुर्वेदिक नुस्खा

मोटापा सिर्फ पर्सनैलिटी ही नहीं बिगाड़ता बल्कि यह कई बीमारियों की जड़ भी है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने के लिए लोग घंटों जिम में पसीना बहाते हैं लेकिन किसी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता। ऐसे में आज हम आपको एक आयुर्वेदिक ड्रिंक बताएंगे जिससे ना सिर्फ वजन कम होगा बल्कि आप कई बीमारियों से भी बचे रहेंगे। वजन कंट्रोल करने में लिए गुड़-नींबू का आयुर्वेदिक नुस्खा बेहद असरदार है और आज हम आपको इससे ड्रिंक बनाने की रेसिपी बताएंगे।

ऐसे बनाएं नींबू और गुड़ की ड्रिंक्स

- सबसे पहले नींबू को काटकर उसके बीज अलग कर लें।
- इसके बाद 1 गिलास पानी में 1 चम्मच नींबू का रस व थोड़ा-सा गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे तक तक मिलाते रहे, जब तक गुड़ घुल ना जाएं।
- अब इस ड्रिंक को छानकर पीएं। आप चाहे तो इसमें पुदीने के पत्तें भी डाल सकते हैं।

कब करें इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन

सुबह खाली पेट इस ड्रिंक का सेवन चर्बी जलाने में मदद करेगा। पुदीना डालने से स्वाद व सेहत भी बरकरार रहेगी। साथ ध्यान रखें कि गुड़ की मात्रा सीमित रखें क्योंकि इसका अधिक इस्तेमाल ड्रिंक का स्वाद बिगाड़ देगा।

कैसे काम करती है ये ड्रिंक?

- मिनरल्स, पोटेशियम, फाइबर, कार्ब्स और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर गुड़ मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है। साथ ही इससे पाचन तंत्र भी बढ़िया तरीका से काम करता है, जिससे शरीर में जमा हुआ फैट बाहर निकल आता है।
- वहीं, नींबू के एंटीऑक्सीडेंट, जिंक और सेलेनियम जैसे तत्व बॉडी को डिटॉक्स करते हैं और इम्यूनिटी व एनर्जी बढ़ाते हैं, जिससे वजन घटाने में काफी मदद मिलती है। इसके अलावा नींबू शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाता है।

दरअसल, नींबू और गुड़ की ड्रिंक पीने से शरीर में विटामिन सी की कमी नहीं होती। साथ इससे शरीर को जिंक और एंटी-ऑक्सीडेंट्स मिलते हैं, जो मेटाबॉलिज्म के सा पाचन तंत्र को दुरूस्त करता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन वेट लूज में मदद करता है।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा के अस्पताल में 8 घंटे तड़पता रहा भारतीय मरीज, ईलाज न मिलने पर तोड़ा दम

टोंरंटो, एजेंसी। कनाडा की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है।एडमॉन्टन के ग्रे नन्स कम्युनिटी हॉस्पिटल में 44 वर्षीय भारतीय मूल के नागरिक प्रशांत श्रीकुमार की मौत हो गई, जब उन्हें गंभीर सीने के दर्द के बावजूद इमरजेंसी वार्ड में आठ घंटे से अधिक इंतज़ार करना पड़ा। परिवार के अनुसार, प्रशांत श्रीकुमार जो पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट थे, को 22 दिसंबर को काम के दौरान अचानक तेज़ सीने में दर्द हुआ। एक क्लाइंट उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचा। उनके पिता कुमार श्रीकुमार ने दर्द को 15 में से 10 स्तर का असहनीय दर्द बताया। अस्पताल में उनका ईसीजी किया गया, लेकिन कोई गंभीर समस्या बताकर उन्हें केवल टाइलेनॉल देकर प्रतीक्षा करने को कहा गया। परिवार का आरोप है कि इस दौरान उनका ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक बढ़ गया, और वे बार-बार तेज़ दर्द की शिकायत करते रहे, लेकिन कोई त्वरित चिकित्सकीय हस्तक्षेप नहीं हुआ। आठ घंटे बाद जब उन्हें आखिरकार ट्रीटमेंट एरिया में बुलाया गया, तो वे अचानक गिर पड़े। मेडिकल स्टाफ ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन कार्डियक अरेस्ट के कारण उनकी मौत हो गई। प्रशांत अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चे (उम्र 3, 10 और 14 वर्ष) छोड़ गए हैं। परिवार के मित्र और भारतीय समुदाय के सदस्य वरिंदर सिंह भुल्लर ने इसे एक बड़ी और पूरी तरह टाली जा सकने वाली त्रासदी बताया। अस्पताल संचालक कोवेनेंट हेल्थ ने मौत की पुष्टि करते हुए कहा है कि मामला चीफ मेडिकल एग्ज़ामिनर के कार्यालय की समीक्षा में है। हालांकि, अभी तक विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब कनाडा, खासकर अल्बर्टा प्रांत में, इमरजेंसी वार्ड में लंबे इंतज़ार, स्टाफ की कमी और बढ़ते मरीजों के दबाव को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं ।जून 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, अल्बर्टा में श्वक्रमें औसत इंतज़ार लगभग चार घंटे, जबकि एडमॉन्टन क्षेत्र में करीब छह घंटे तक पहुंच चुका है जो पूरे प्रांत में सबसे अधिक है।

फ्रांस की डाक सेवा पर साइबर हमला, पार्सल डिलीवरी ठप

पेरिस, एजेंसी। क्रिसमस से ठीक पहले फ्रांस की राष्ट्रीय डाक सेवा ला पोस्टे पर हुए साइबर हमले ने पार्सल डिलीवरी और बैंकिंग सेवाओं को ठप कर दिया है। एक रूसी समर्थक हैकिंग समूह नोनेम057 ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पेरिस अभियोजक कार्यालय के अनुसार, फ्रांसीसी खुफिया एजेंसी डीजीएसआई ने मामले की जांच कर रही है। सोमवार को हुए इस डीडीओएस हमले के कारण कंपनी का मुख्य कंप्यूटर सिस्टम ऑफलाइन हो गया। इससे डाककर्मी पार्सल ट्रैक नहीं कर पा रहे हैं और ऑनलाइन भुगतान में भी बाधा आ रही है।

दो बच्चों की हत्या की आरोपी मां ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित

लंदन, एजेंसी। अपने दो बच्चों की हत्या की आरोपी 37 वर्षीय किम्बरली सिंगल को ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है। किम्बरली पर दो साल पहले पति से विवाद के दौरान 9 साल की बेटी और 7 साल के बेटे की हत्या करने का आरोप है। कोलोरेडो स्प्रिंग्स पुलिस के अनुसार, दिसंबर 2023 में लंदन के चेल्सी इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया था। घटना के समय किम्बरली की 11 वर्षीय बेटी घायल हुई थी, जिसने बाद में जांचकर्ताओं को बताया कि उसकी मां ने इसके लिए ईश्वर का हवाला दिया था।

ट्रंप समर्थित असफुरा बने होंडुरास के राष्ट्रपति

तेगूसिगल्पा, एजेंसी। होंडुरास में राष्ट्रपति चुनाव में रूढ़िवादी नेता नस्री असफुरा ने जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के अनुसार, असफुरा को 40.3 प्रतिशत वोट मिले, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी सल्वाडोर नसराला को 39.5 प्रतिशत वोट मिले। यह चुनाव काफी करीबी रहा। नस्री असफुरा को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। जीत के बाद असफुरा ने कहा कि वह देश की सेवा के लिए तैयार हैं और जनता को निराश नहीं करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों की चेतावनी: अल-शबाब पूर्वी अफ्रीका की शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि चरमपंथी समूह अल-शबाब सोमालिया और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता के लिए सबसे बड़ा तात्कालिक खतरा है। विशेषज्ञों ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब के अभियानों पर अंकुश लगाने के लिए सोमालिया तथा अंतरराष्ट्रीय बलों के प्रयास जारी हैं, इसके बावजूद ''सोमालिया में जटिल और अचानक हमले करने की चरमपंथी समूह की क्षमता में कोई कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा कि खतरा न केवल अल-शबाब की हमला करने की क्षमता से है बल्कि उसके जबरन वसूली अभियानों, जबरन भर्ती और प्रभावी प्रचार तंत्र से भी खतरा है। इस चरमपंथी संगठन ने राजधानी मोगादिशु में 18 मार्च को राष्ट्रपति की हत्या का प्रयास किया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मंगलवार को सर्वसम्मति से सोमालिया में अफ्रीकी संघ के 'सहयोग और स्थिरीकरण बल के लिए प्राधिकार को 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ाने के वास्ते मतदान किया। इस बल में 680 पुलिसकर्मियों सहित 11,826 वर्दीधारी कर्मी शामिल हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि यह चरमपंथी समूह पड़ोसी देश केन्या के लिए भी अहम खतरा है। विशेषज्ञों ने कहा कि अल-शबाब का लक्ष्य ''सोमालिया की सरकार को हटाना, देश से विदेशी बलों को भगाना और पूर्वी अफ्रीका के सभी जातीय सोमालियों को सख्त इस्लामी शासन के तहत एकजुट एक 'ग्रेटर सोमालिया की स्थापना करना है।

ओबामा ने करियर बर्बाद किया, ट्रंप भ्रष्ट हैं; हंटर का पॉडकास्ट बम... पिता जो बाइडन पर लगाए आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी सियासत में पूर्व राष्टपति जो बिडेन और उनका परिवार अक्सर डोनल्?ड ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं के निशाने पर रहता है। बिडेन पर कभी तंज तो कभी नाकामी के आरोप लगना आम सी बात है। लेकिन इस बार हमले बाहर से नहीं, उनके अपने घर के अंदर से हुआ है।

जो बिडेन के बेटे हंटर बिडेन ने पूर्व राष्टपति बराक ओबामा और मौजूदा राष्?ट्रपति डोनल्?ड ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्?होंने अपने पिता जो बिडेन के राष्टपति कार्यकाल के वक्त अफगानिस्तान नीति और अवैध अप्रवासियों के मुद्दे पर भी सवाल उठाए हैं। हंटर बाइडेन का यह इंटरव्यू अमेरिकी सियासत में एक नया तूफान बनकर सामने आया है।

दरअसल, हंटर बिडेन ने द शॉन रायन शो के 5.5 घंटे के पॉडकास्ट इंटरव्यू में घर-परिवार, बिजनेस और राजनीति से लेकर विदेशी कारोबारी रिश्तों तक कई मुद्दों पर सनसनी मचाने वाले खुलासे किए हैं। हंटर ने पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा कि ओबामा प्रशासन ने उन पर दबाव बनाया था, इसके चलते उनका करियर

खराब हुआ और उसका असर यह हुआ कि आज उन पर 134 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है। जो बिडेन के बेटे हंटर ने ट्रंप और उनके बेटों डॉन जूनियर और एरिक ट्रंप पर निशाना साधा। कहा- ट्रंप परिवार राष्टपति पद का इस्तेमाल महंगे क्लबों की मेंबरशिप से लेकर सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, अल्बानिया और सर्बिया तक रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स लेने के लिए करता है। हंटर ने आरोप लगाते हुए आगे कहा- ये सभी प्रोजेक्ट सरकारी जमीन, सॉवरेन वेल्थ फंड्स और खाड़ी देशों के शाही परिवारों से जुड़े सौदों पर टिके हैं। ये भ्रष्टाचार का छोटा नमूनाभर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर ट्रंप परिवार व्हाइट हाउस छोड़ते वक्त कॉपर की पाइप तक उखाड़ ले जाए तो भी हैरानी नहीं होनी चाहिए। हंटर ने पॉडकास्ट में इंटरव्यू के दौरान कहा कि जब साल 2009 में बराक ओबामा अमेरिका के राष्टपति और जो बाइडेन उपराष्टपति बने थे, तब ओबामा के सलाहकारों ने हितों के टकराव का डर दिखाकर उनके घरेलू लॉबीइंग काम पर आपत्ति जताई। उस समय वे 14ङ्क15 धार्मिक विश्वविद्यालयों को कानूनी और नीतिगत सलाह दे रहे थे। उनका शानदार काम चल रहा था। फिर ऊपर से उन पर बहुत दबाव बनाया गया, जिसके बाद उनको अपना काम छोड़ना पड़ा। तीन बेटियों की महंगी प्राइवेट स्?कूल की फीस वो भी बिना किसी रेगूलर इनकम और ऊपर से करियर दोबारा शुरू करने की मजबूरी बहुत ही मुश्किल दौर रहा है। सब कुछ बिखर सा गया था। इस दौरान अमट्रैक बोर्ड से भी हितों के टकराव के नाम पर इस्तीफा देना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने कंसल्टिंग फर्म शुरू की और धीरे-धीरे विदेशी क्लाइंट्स से काम लिया।

उपलब्धि: वेस्ट हीट को बना दिया सोना!

● दुनिया का पहला सीओ2 पावर प्लांट किया शुरू

बीजिंग, एजेंसी।
चीन ने ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। देश में दुनिया की पहली व्यावसायिक सुपरक्रिटिकल सीओ2 (कार्बन डाइऑक्साइड) पावर जेनरेशन यूनिट- सुपर कार्बन-1 पावर प्लांट सफलतापूर्वक संचालित हो गई है, जो अब औद्योगिक अपशिष्ट गर्मी से बिजली पैदा कर रही है। इस प्रोजेक्ट ने प्रयोगशाला को पार कर व्यावसायिक स्तर पर सीओ2आधारित ऊर्जा उत्पादन को संभव कर दिया है, जिससे भविष्य के कम-कार्बन ऊर्जा समाधान की दिशा में बड़ा बदलाव आएगा।

क्या है सुपरक्रिटिकल सीओ2 तकनीक?: सुपर कार्बन-1 तकनीक में परंपरागत भाप की जगह सीओ2 को सुपरक्रिटिकल अवस्था में लाकर तापीय ऊर्जा को बिजली में बदला जाता है। सुपरक्रिटिकल अवस्था में सीओ2 न तो पूरी तरह गैस जैसा होता है और न तरल जैसा, जिससे यह ऊर्जा संचरण और ताप विनिमय के लिए अत्यंत कुशल माध्यम बन जाता है।यह तकनीक औद्योगिक अपशिष्ट गर्मी का उपयोग करती है जैसे स्टील संयंत्रों से निकलने वाली गर्म गैसें और इसे बिजली में बदल देती है।

परियोजना में दो 15 मेगावाट यूनिट्स शामिल हैं, और उन्हें औद्योगिक गर्मी से बिजली उत्पादन के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे कुल मिलाकर लगभग 70 मिलियन किलोवाट-घंटे बिजली प्रति वर्ष उत्पन्न होने की क्षमता है, वहीं यह नेट पावर आउटपुट में 50 प्रतिशत से अधिक और ऊर्जा दक्षता में 85 प्रतिशत से अधिक सुधार प्रदान करता

है। पारंपरिक भाप-आधारित प्रणालियों के मुकाबले सीओ2प्रणाली कम ऊर्जा नुकसान के साथ अधिक बिजली उत्पन्न करती है। ` सिस्टम में कम्पोनेंट्स की संख्या कम होती है, जिससे रख-रखाव आसान होता है। यह तकनीक विशेष रूप से भारी उद्योगों के लिए फायदेमंद है, क्योंकि इनके पास पहले से मौजूद गर्मी स्रोत होते हैं। बिजली उत्पादन से अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होने की उम्मीद है, जिससे परियोजना की लागत-लाभ स्थिति मजबूत होती है।

केवल चीन तक सीमित नहीं: इस प्रोजेक्ट का महत्व केवल चीन तक सीमित नहीं है। यह दुनिया को दिखाता है कि अवैध सीओ2उत्सर्जन को कम करने के साथ-साथ उसे ऊर्जा उत्पादन में कैसे उपयोग किया जा सकता है। हालांकि सीओ2को ऊर्जा स्रोत नहीं बल्कि कामकाज के लिए कार्यशील द्रव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, यह तकनीक ऊर्जा दक्षता को बढ़ाकर कम-कार्बन ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक बड़ा कदम है। विशिष्ट तापीय ऊर्जा स्रोतों जैसे औद्योगिक गर्मी, सोलर थर्मल, और उन्नत परमाणु संयंत्रों में इस तकनीक के प्रयोग से डायरेक्ट इलेक्ट्रिसिटी उत्पादन के मॉडल भी विकसित हो सकते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को रोकने की वैश्विक कोशिशों को बल मिलेगा।

यह तकनीक सीधे सीओ2से ऊर्जा पैदा नहीं करती; सीओ2को उच्च तापमान और दबाव में सुपरक्रिटिकल अवस्था में लाकर गर्मी को प्रभावी ढंग से टरबाइन तक पहुंचाया जाता है ताप से मैकेनिकल ऊर्जा और फिर बिजली उत्पन्न होती है। इसलिए सीओ2 का उपयोग 'मध्यम' के तौर पर होता है, न कि ऊर्जा स्रोत के रूप में।

एपस्टीन फाइल्स: 10 लाख से ज्यादा दस्तावेज मिलने से बवाल

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले ने एक बार फिर से सुर्खियां बटोरी हैं। न्याय विभाग ने बुधवार को ऐलान किया कि एपस्टीन से संबंधित 10 लाख से ज्यादा नए दस्तावेज मिले हैं, जिन्हें सार्वजनिक करने में अब और देरी होगी। ये दस्तावेज इतने बड़े पैमाने पर हैं कि इनकी समीक्षा और जरूरी बदलाव करने में कुछ हफ्ते लग सकते हैं।

यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब कांग्रेस ने 19 दिसंबर की डेडलाइन तय की थी कि सभी एपस्टीन फाइलें जारी कर दी जाएं। लेकिन अब यह प्रक्रिया और लंबी खिंच गई है। न्याय विभाग का कहना है कि न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के यूएस अटॉर्नी ऑफिस और एफबीआई ने ये अतिरिक्त दस्तावेज खोज निकाले हैं।

न्याय विभाग ने अपने बयान में बताया कि दक्षिणी न्यूयॉर्क जिले के यूएस अटॉर्नी और एफबीआई ने मिलकर ये 10 लाख से ज्यादा दस्तावेज ढूंढे हैं, जो एपस्टीन मामले से जुड़े हो सकते हैं। विभाग ने यह नहीं बताया कि ये दस्तावेज कब मिले या कब उन्हें सूचना दी गई।

हालांकि, विभाग ने जोर देकर कहा कि उनके वकील रात-दिन काम कर रहे हैं ताकि इन दस्तावेजों की समीक्षा की जाए और कानून के मुताबिक जरूरी रेडैक्शन (नाम या संवेदनशील जानकारी हटाना) किए जाएं। ये रेडैक्शन मुख्य रूप से पीड़ितों की सुरक्षा के लिए होते हैं, ताकि उनकी पहचान उजागर न हो।

देरी की मुख्य वजह क्या है?

न्याय विभाग ने साफ कहा कि

दस्तावेजों की भारी मात्रा की वजह से पूरी रिलीज में कुछ और हफ्ते लगेंगे। विभाग ने कहा,हम दस्तावेज जितनी जल्दी हो सके जारी करेंगे। इतनी बड़ी संख्या में सामग्री होने से यह प्रक्रिया कुछ हफ्तों की हो सकती है।

यह देरी कांग्रेस की ओर से पिछले महीने पारित कानून की डेडलाइन से आगे की है। वह कानून लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था और इसमें सभी एपस्टीन फाइलें जल्द जारी करने का प्रावधान था। पहले ही कुछ बैच में हजारों दस्तावेज जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अब ये नए मिले दस्तावेज पूरी तस्वीर बदल सकते हैं। न्याय विभाग ने वादा किया है कि कानून का पूरी तरह पालन किया जाएगा और दस्तावेज जल्द से जल्द सार्वजनिक होंगे। लेकिन इस देरी से कई सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े स्तर पर दस्तावेज पहले क्यों नहीं मिले। विभाग का कहना है कि वे पीड़ितों की सुरक्षा को सबसे ऊपर रख रहे हैं और इसी वजह से हर दस्तावेज की बारीकी से जांच हो रही है।

इंश्योरेंस के चक्कर में रची झूठी मौत की साजिश

पांच साल बाद मृत महिला जिंदा लौटी

थान्ह होआ, एजेंसी। वियतनाम के थान्ह होआ प्रांत में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक महिला, जो पांच साल पहले कानूनी तौर पर मृत घोषित हो चुकी थी, अचानक जिंदा लौट आई और अपनी मौत का रजिस्ट्रेशन रद कराने की मांग की।

अधिकारियों को यह देखकर झटका लगा कि उनके रिकॉर्ड में इसी नाम और पते वाली महिला की मौत जून 2020 में दर्ज थी। जांच शुरू हुई तो पूरा मामला इंश्योरेंस धोखाधड़ी का निकला, जिसमें करीब 1.2 अरब वियतनामी डोंग (लगभग 40 लाख रुपये) की रकम हड़पी गई है। महिला का नाम गुयेन थी थू है। पुलिस ने उसकी मां ट्रान थी थाप को भी इस मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों पर इंश्योरेंस फ्रॉड के आरोप लगे हैं और उन्हें अस्थायी हिरासत में रखा गया है। गुयेन थी थू ने 2017 में अपने पति से तलाक ले लिया था और मां के साथ रहने लगी थी। उस दौरान वह दक्षिणी प्रांतों में काम के लिए जाती रहती थी। इसी बीच उसने प्रुडेंशियल और फू हंग लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों से चार लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियां खरीदीं। 2020 में जब उसे कैंसर का पता चला और घर में झगड़े बढ़ गए, तो थू ने मौत का नाटक रचने की योजना बनाई। उसका मकसद इंश्योरेंस की रकम लेकर नई जिंदगी शुरू करना था। पहले मां ने इस योजना का विरोध किया, लेकिन थू ने बिजली के तार काटकर खुदकुशी की धमकी दी। और इसी डर के मारे मां मान गई। 7 जून 2020 की सुबह थू ने नींद की गोलियां खाईं और बाथरूम में गिरकर खुद को चोट पहुंचाई। चेहरे और नाक पर खरोंचें बनाईं ताकि लगे कि अचानक दुर्घटना में मौत हो गई। फिर वह बिस्तर पर लेटकर मृत हो गई। परिवार और स्थानीय अधिकारियों को सूचना दी गई कि अचानक मौत हो गई है। अंतिम संस्कार जल्दी और गुपचुप तरीके से किया गया ताकि शक न हो। एक स्थानीय शमन को बुलाया गया, जो दफनाने में मदद करे। सिर्फ थू, उसकी मां और शमन को ही सच पता था। शमन की 2022 में मौत हो गई। उसी रात थू चुपके से घर से निकल गई और डोंग नाई प्रांत में जाकर रहने लगी। वहां वह काम करती रही, लेकिन कानूनी तौर पर मृत थी। अगले दिन 8 जून 2020 को मां ने मौत का रजिस्ट्रेशन कराया और इसका कारण अचानक मौत बताया था। इसके बाद इंश्योरेंस कंपनियों से क्लेम किया। जांच में पता चला कि प्रुडेंशियल से 682 मिलियन डोंग और फू हंग से 600 मिलियन डोंग से ज्यादा की रकम मिली, कुल 1.2 अरब डोंग से अधिक की रकम मिली।

मुंह पर चोट, नाक-जबड़े में फैक्चर... ब्रिटेन में मुनीर के गुर्गे ने किया इमरान खान के सलाहकार पर हमला

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सलाहकार मिर्जा शहजाद अकबर पर हमला हो गया है। कुछ नकाबपोश लोगों ने उनके घर के पास उन पर अचानक धावा बोला और चेहरे पर जोरदार प्रहार किया। इससे उनकी नाक और जबड़े में फैक्चर हो गया।

अकबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। उनके समर्थकों का कहना है कि यह हमला पाकिस्तान के रक्षा प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के इशारे पर हुआ है।

अकबर इमरान खान सरकार में सलाहकार रह चुके हैं। वे पाकिस्तान के रक्षा प्रमुख असीम मुनीर और वहां के मानवाधिकारों की स्थिति की खुलकर आलोचना करते हैं।

हाल ही में उनका मुनीर के खिलाफ एक भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने उन्हें ब्रिटेन से प्रत्यर्पित करने की कोशिश की। समर्थकों का आरोप है कि यह हमला ट्रांसनेशनल दमन का मामला है, जहां पाकिस्तान की सेना के आलोचकों को देश के बाहर भी निशाना बनाया जा रहा है।

वायरल भाषण में असीम मुनीर पर निशाना

अपने वायरल भाषण में अकबर ने मुनीर पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि रक्षा प्रमुख ने पिछले साढ़े तीन सालों में पाकिस्तान को डर और दहशत से चलाने की कोशिश की।

अकबर ने कहा, उन्होंने हमारे घरों पर हमला किया, हमारे अपनों को अगवा किया, हमें अगवा किया, हमारे नेताओं को अगवा किया और हमारे परिवारों को अगवा किया। डर और दहशत फैलाने के लिए हर तरह की ज्यादतियां कीं। अगर वे कामयाब होते तो आज हम यहां इतनी बड़ी संख्या में नहीं होते। अगर उनका डर और दहशत फैल गया होता तो पाकिस्तान में इमरान खान की तीन बहनें अदियाला जेल के बाहर नहीं बैठी होतीं। इसका मतलब है कि वे नाकाम रहे हैं।

बर्मिंघम में द क्लोवर स्पा एंड होटल में बिना कपड़ों के लोग मनाएंगे नववर्ष का जश्न

बर्मिंघम, एजेंसी।
दुनिया भर में नए साल के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। कहीं आतिशबाजी होगी, तो कहीं म्यूजिक कंसर्ट लेकिन ब्रिटेन के बर्मिंघम में एक ऐसा होटल है जो अपनी अनोखी न्यूड न्यू ईयर ईव पार्टी के लिए चर्चा में है। यहां आने वाले मेहमान कपड़ों का त्याग कर पूरी तरह प्राकृतिक रूप में नए साल का स्वागत करते हैं।

बर्मिंघम स्थित द क्लोवर स्पा एंड होटल एक छोटा लेकिन मशहूर सात कमरों वाला बुटीक होटल है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो प्रकृतिवाद में विश्वास रखते हैं और बिना कपड़ों के स्वच्छंद रहना पसंद करते हैं।

होटल ने दिसंबर की शुरुआत से ही कई क्रिसमस इवेंट्स आयोजित किए। मेहमानों को मसाज, टर्की डिनर और मिन्स पाई जैसे पारंपरिक पकवान परोसे गए। कपल्स के लिए विशेष वीकेंड पार्टियों का आयोजन किया गया जिसकी सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। 31 दिसंबर की शाम को होने वाले इस मुख्य आयोजन के लिए होटल ने खास तैयारियां की हैं। जश्न की शुरुआत शाम 6 बजे से होगी और देर रात 1 बजे तक चलेगा। डीजे लियाम के डिस्को म्यूजिक पर मेहमान बिना कपड़ों के डांस और मस्ती करेंगे। मेहमानों के लिए ड्रिंक्स, स्पा सुविधाएं और लजीज खान-पान की व्यवस्था रहेगी। अक्सर ऐसी पार्टियों को लेकर गलतफहमी हो जाती है लेकिन होटल के मालिक टिम हिग्स ने इसे लेकर स्थिति स्पष्ट की हैः होटल में किसी भी तरह की यौन गतिविधियों की सख्त मनाही है। यह पूरी तरह से एक सामाजिक और फ्रैंडली माहौल होता है।

फिर लौटी महामारी ! न्यू ईयर से पहले खतरे की दस्तक

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में छुट्टियों और जश्न के माहौल के बीच कोरोना वायरस ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। जैसे-जैसे लोग क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के लिए यात्रा कर रहे हैं और ठंडे मौसम के कारण घरों के अंदर समय बिता रहे हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने संक्रमण की एक नई लहर की चेतावनी दी है।

इस साल की शुरुआत में अमेरिका में लेट-समर वेव देखी गई थी जिसका कारण ङ्क्षस्नत्न वैरिएंट था। इसे वैज्ञानिक भाषा में स्ट्राटस भी कहा जाता है। यह वैरिएंट ओमिक्रॉन के अन्य रूपों की तरह ही बहुत संक्रामक है और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर आसानी से फैलता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के ताजा आंकड़ों के अनुसार

अमेरिका के 31 राज्यों में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं।

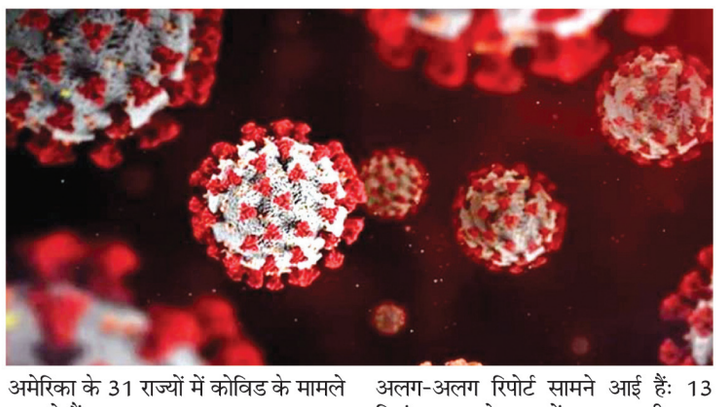

क्या कहते हैं आंकड़े?: संक्रमण के स्तर को मापने के लिए वैज्ञानिक वेस्टवॉटर (गंदे पानी) की जांच करते हैं। इसमें दो अलग-अलग रिपोर्ट सामने आई हैंः 13 दिसंबर तक देशभर में वायरस की मात्रा कम स्तर पर थी लेकिन 15 राज्यों में यह मध्यम से उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है।वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ डॉ. विलियम शैफनर का कहना है कि वर्तमान में फ्लू के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि कोविड की रफ्तार फिलहाल धीमी लेकिन स्थिर है। सबसे ज्यादा चिंता 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को लेकर है क्योंकि इस आयु वर्ग में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। विशेषज्ञ इसकी वजह समय के साथ कम होती इम्युनिटी और बूस्टर डोज न लगवाना बता रहे हैं।

फिलहाल अमेरिका के मिडवेस्ट और नॉर्थईस्ट इलाकों में संक्रमण सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। मिशिगन, मिनेसोटा, ओहियो, मैसाचुसेट्स, कनेक्टिकट, एरिजोना, कंसास, केंटकी और न्यू हैम्पशायर जैसे राज्यों में कोविड का स्तर हाई या मॉडरेट दर्ज किया गया है।

खबर-खास

अजमेर उर्स पर कांग्रेस की चादर पेश, देश में अमन-चैन की दुआ

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अजमेर शरीफ दरगाह के 814वें उर्स के पावन अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से भेजी गई चादर दरगाह में पेश की गई। चादर राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के साथ राजस्थान प्रभारी अब्दुल कलाम खान ने अकीदत के साथ चढ़ाई। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) नेता टीकाराम जूली, विधायक रफीक खान, विकास चौधरी, अमीन कागजी, जाकिर गैसावत, धर्मेंद्र राठौर, पूर्व मंत्री नसीम अख्तर, राजकुमार जयपाल, पूर्व चेयरमैन आबिद कागजी, अमीन पठान सहित कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। चादर चढ़ाने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भेजा गया संदेश पढ़कर सुनाया गया। इस दौरान देश में शांति, भाईचारे, एकता और सद्भाव के लिए विशेष प्रार्थना की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अजमेर शरीफ दरगाह आपसी सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। कार्यक्रम में सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं की ससम्मान उपस्थिति रही।

वन विभाग की सक्रियता से वाहन सहित लकड़ी जप्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। बीते देर रात को वन अधिकारी और कर्मचारी अपने रात्रि गश्त के दौरान विभाग की सक्रियता से लकड़ी चोर को इमारती लकड़ी सहित पिकअप को पकड़कर वाहन और लकड़ी को जप्त किए।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात्रि को सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी दयाशंकर शुक्ला के निर्देश में वन विभाग चुम्मन बघेल,परमेश्वर साहू,लोकेश्वर ध्रुव,रामनाथ ध्रुव,देवशरण नाग की टीम रात्रि गश्त में निकले थे उसी दौरान गरियाबंद परिक्षेत्र के जोबा सर्कल उत्तूली बिट के ग्राम उत्तूली से एक किलोमीटर पहले नेशनल हाईवे 130 सी के उर्तुली घाट नीचे एक पिकअप वाहन सीजी 05 डी 1777 को संदेह के छोटे वन विभाग के सर्चिंग टीम रोकने की कोशिश किए,लेकिन टीम को देखकर वाहन चालक भागने की कोशिश किया लेकिन टीम की सक्रियता से वाहन को दौड़ाकर रोका गया,जिसमे 0,160 घन मीटर के चार पिस हाथ आरा फड़ा गया सागौन पकड़ी के स्लीपर पाए जैसे ग्राम साढ़ौली निवासी थानेश्वर चौधरी पिता पुराण चौधरी के घर संचालित आरा मिल में उपयोग के लिए ले जाया जा रहा था।वही लकड़ी के विषय कोई कागजात नहीं होने के चलते वाहन को लकड़ी सहित जप्त कर वन विभाग लेकर आए और पीओआर की कार्यवाही किया गया,साथ ही लकड़ी ले जा रहे आरोपी ग्राम साढ़ौली निवासी थानेश्वर चौधरी के घर चल रहे आरा मिल के लकड़ी की जांच किया जा रहा है ।

मेयर अलका बाघमार की अध्यक्षता में शहर के विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर अफसरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम मेयर अलका बाघमार की अध्यक्षता में नगर निगम मेयर चेम्बर में विकास कार्यों की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शहर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों जैसे 15वे वित्त, सड़क डामरीकरण, सीमेंटीकरण सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइट और पेवर ब्लाक के साथ साथ पेयजल व्यवस्था और सौंदर्यीकरण पर चर्चा हुई। मेयर ने अधिकारियों को समयसीमा और गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।नगर निगम अपने मेयर चेम्बर में महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में शहर के विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर अफसरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर निगम क्षेत्र में संचालित और प्रस्तावित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर अलका बाघमार ने सड़कों के निर्माण, पेयजल व्यवस्था के साथ सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा की।

अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट लेते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य तय समयसीमा में और मानक गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। मेयर ने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, पार्षद सुरूचि उमरे, सहायक अभियंता गिरीश दीवान,सहायक अभियंता संजय ठाकुर,राजेन्द्र धबाले, करण यादव,हरिशंकर साहू,पंकज साहू,अपर्णा मिश्रा,विकास दमाहे समेत अन्य अधिकारी थे ।ज

आदिवासी समाज के लोग स्वभाव से सरल व सहज होते है- विधायक कुंवर सिंह निषाद

हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज द्वारा आयोजित शक्ति दिवस समारोह में शामिल हुए विधायक निषाद

बालोद (समय दर्शन)। गुंडरदेही विधानसभा विधायक कुंवर सिंह निषाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम घीना,सी बी नवागांव एवं पिनकापार (थाना) में हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज द्वारा आयोजित शक्ति दिवस समारोह में शामिल होकर मां दंतेश्वरी माता की शक्ति रूप की पूजा कर क्षेत्र वासियों के खुशहाली की कामना की। इस दौरान ग्राम सी बी नवागांव में नवीन सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि समाज के लड़कियों को शिक्षित करना आवश्यक है। जो समाज शिक्षित होता है वह आगे बढ़ता है। हल्बा आदिवासी समाज के द्वारा प्रति वर्ष यह शक्ति दिवस 26 दिसंबर को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। समाज के कार्यक्रम से सभ्यता, संस्कृति का बोध होता है। आदिवासी समाज के लोग स्वभाव से सरल व सहज होते है। हल्बा आदिवासी समाज अपने विचारों पर चलने वाला समाज है। उन्होंने शहीद गैंद सिंह के शहादत व उनके योगदान को भी याद किया। शक्ति दिवस कार्यक्रम में कोदूराम दिल्लीवार अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, गुलशन चंद्राकर जी सदस्य जिला पंचायत बालोद, संजू चौधरी जी महामंत्री, नरोत्तम रावटे जी, जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री केशव शर्मा, ललित हिरवानी जी, ललित भू आर्य जी, ईश्वर किसान जी सरपंच, हिंसाराम भूआर्य जी, श्रीमती प्राणिका जैन जी सरपंच, तरुण रजक जी सरपंच, सुखी राम जी, राजेंद्र यादव जी, डालचंद जैन जी, मंगलू भंडारी, श्रीमती दुर्गा रावटे जी, गुहाराम पटेल जी, नरेंद्र निषाद जी, भारत लाल विश्वकर्मा जी एवं समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। इस दौरान समाज के बालक बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

सफलता की कहानी : प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से बदली महिलाओं की रसोई, धुएं से मिली मुक्ति

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत आज चार हितग्राहियों को निःशुल्क एलपीजी गैस सिलेंडर वितरित किए गए। जैसे ही महिलाओं को सिलेंडर मिला, उनके चेहरों पर खुशी साफदिखाई दी। यह खुशी सिर्फ सुविधा मिलने की नहीं थी, बल्कि वर्षों से चली आ रही परेशानियों से राहत पाने की थी। छोटे से कच्चे मकान में जीवन गुजार रहीं राजेश्वरी साहू, मीना यादव, परमेश्वरी वर्मा और पार्वती के लिए यह दिन किसी सपने के पूरे होने जैसा था। चूल्हे पर खाना बनाते समय धुएं, आंखों में जलन और सांस की तकलीफ से जूझना उनकी रोजमर्रा की मजबूरी थी। उज्ज्वला योजना के तहत स्वच्छ रसोई ईंधन उपलब्ध होने से अब उनके घरों में धुएं से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों में कमी आई है।

मेड़ेसरा निवासी श्रीमती राजेश्वरी साहू ने बताया कि निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन स्वीकृत होने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को सुरक्षित, स्वच्छ और किफायती खाना पकाने का ईंधन मिला है, जिससे उन्हें काफी सुविधा हो रही है। आवेदन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए पासपोर्ट आकार का फोटो, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड एवं बैंक खाते का विवरण जमा किया गया। गरीब परिवारों की महिलाओं को बिना किसी जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है, जिससे उन पर किसी तरह का आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। कनेक्शन मिलने से न केवल घरों में धुएं से होने वाला प्रदूषण कम हुआ है, बल्कि घरेलू श्रम और समय की भी बचत हो रही है।

रवेली निवासी श्री परमेश्वरी वर्मा ने बताया कि पहले चूल्हे के धुएं से घर के छोटे-छोटे बच्चों को भी परेशानी होती थी।

जावलपुर बलौदा में रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला का हुआ आयोजन

आजीविका गतिविधियों से सशक्त हो रहीं महिलाएं, आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर - कलेक्टर श्री महोबे

ऋण मेले में लगभग 15 करोड़ 48 लाख रुपए से अधिक की ऋण राशि स्वीकृत

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देश के परिपालन में जिले में आजीविका सशक्तिकरण एवं रोजगार सृजन कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में आजीविका ऋण मेला एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत आज जनपद पंचायत बलौदा के समरसता भवन जावलपुर में रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला का आयोजन किया गया। आजीविका ऋण मेला में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 408 ऋण प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान की गई, जिनके माध्यम से 15 करोड़ 48 लाख रुपये की ऋण राशि स्वीकृत की गई है। इस दौरान विभिन्न विभाग अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सामग्री वितरित की गई।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने संबोधित करते हुए कहा कि उद्यमिता न केवल स्वयं की आजीविका का साधन बनती है, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करती है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपना व्यवसाय प्रारंभ करें तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लें। उन्होंने यह भी कहा कि बिहान योजना से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर हो रहीं है। महिलाएं आजीविका ऋण का उपयोग कर अपने उद्यम को आगे बढ़ाएं और निरंतर प्रगति करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे ने कहा कि जिले में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के लिए शीघ्र ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल से महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम बनते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि जो महिलाएं पहले से किसी व्यवसाय से जुड़ी हैं, वे भी आजीविका ऋण का उपयोग कर अपने कार्य को और विस्तारित कर सकती हैं।

इस अवसर पर प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत समाधान शिविर, पीएम सूर्यघर मुफ्त बीजली योजना, रोजगार मेला एवं आजीविका ऋण स्टॉल लगाया गया था। शिविर के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वरोजगार, रोजगार एवं आवास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे जिले के नागरिकों को आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर मिल रहे हैं।

शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में हाई स्कूल परिसर में भक्ति, संस्कार और राष्ट्र निर्माण का संगम, यज्ञ-संस्कारों से गूंजा नगर

गरियाबंद (समय दर्शन)। शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में भगवान कोपेश्वरनाथ की पावन धरा पर स्थित हाई स्कूल परिसर में आयोजित शौर्य समृद्धि राष्ट्र जागरण 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन आध्यात्मिक चेतना के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त संदेश दिया गया। महायज्ञ के क्रमबद्ध आयोजनों में पहले दिन भव्य कलश यात्रा, दूसरे दिन यज्ञ-हवन एवं संगीत प्रवचन संपन्न हुए, वहीं तीसरे दिन देव मंच से जीवन में आध्यात्मिकता को उतारकर समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनने का आह्वान किया गया।

देव मंच पर शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे प्रज्ञा ऋषि पुत्र प्रमोद बारचे ने युग दृष्टा पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के विचारों को जनमानस तक पहुँचाते हुए कहा कि गायत्री महायज्ञ का मूल उद्देश्य केवल कर्मकांड नहीं,बल्कि संस्कार,संयम,सेवा, नशामुक्ति चरित्र निर्माण और राष्ट्र शक्ति के संवर्धन को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की आंतरिक उन्नति से ही परिवार, समाज और राष्ट्र का समग्र उत्थान संभव है।

वैदिक मंत्रोच्चार और यज्ञीय आहुतियों से हाई स्कूल प्रांगण सहित संपूर्ण यज्ञ मंडप आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव से ओतप्रोत हो गया। यज्ञ परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे वातावरण अत्यंत भक्तिमय और श्रद्धा से परिपूर्ण दिखाई दिया।महायज्ञ के दौरान विभिन्न संस्कार सम्पन्न हुआ। इसमें प्रमुख रूप से 20 गर्भवती बहनों का पुंसवन संस्कार,21 भाई-बहनों का जन्मदिवस संस्कार,44 बच्चों का विद्या आरंभ संस्कार,18 बच्चों का मुंडन संस्कार तथा 4 बच्चों का नामकरण संस्कार संपन्न कराया गया। वहीं शाम 3:30 बजे संगीतमय प्रवचन हुआ जिसमें मनुष्य को मनुष्य बनने की कला बताया गया। शाम 6 बजे 5001 दीप से यज्ञ स्थल में प्रज्वलित किया गया। दीप प्रज्वलित कर गायत्री महामंत्र से आहुतियां प्रदान की गई।इस आयोजन से नगर में आलौकिक प्रकाश कुंज जगमगाते रहे।आयोजक जिला गायत्री परिवार समन्वयक टीकम राम साहू ने बताया कि 26 दिसंबर को दीक्षा संस्कार,यज्ञोपवीत एवं उपनयन संस्कार का आयोजन होगा।

इस पावन अवसर पर राज्य भंडार गृह अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू,छत्तीसगढ़ गायत्री परिवार प्रमुख आदर्श वर्मा (रायपुर),उप जोन प्रमुख मनहरण लाल साहू,राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक मुन्ना लाल देवदास,सहित नगर एवं आसपास क्षेत्र के हजारों धर्मप्रेमी माताएं-बहनें और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आयोजन की भूमि पूजन से लेकर अब तक 24 देव कन्याओं द्वारा गायत्री मंत्र के सामूहिक जप से वातावरण में निरंतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। विगत दो दिनों से यज्ञाचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं यज्ञीय आहुतियों के माध्यम से श्रद्धालुओं ने लोक-विश्व कल्याण की भावना को आत्मसात किया।प्रवचनकार प्रमोद बारचे ने कहा कि शौर्य समृद्धि राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ आज के समय में नैतिकता, सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता की दिशा में एक सशक्त और सार्थक पहल है। यह आयोजन लोगों को आध्यात्मिक अनुशासन के साथ सामाजिक कर्तव्यबोध से जोड़ते हुए राष्ट्र और विश्व कल्याण हेतु संकल्पित करने वाला प्रभावी मंच सिद्ध हुआ।

महिला अतिथियों के सानिध्य में हुआ महिला वर्ग का फाइनल, दीनदयाल चैलेंजर्स बनी चैंपियन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित 5वीं छत्तीसगढ़ हॉकी लीग अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के अंतर्गत महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला एवं पुरस्कार वितरण समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। समापन अवसर पर महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए नारी शक्ति का उत्सव मनाया गया। समारोह की मुख्य अतिथि जिला पंचायत सीईओ आईएएस सुरुचि सिंह रहीं, जबकि अध्यक्षता समाजसेविका रेखा संतोष पांडेय ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में हेमलता प्रजापति, भारती लारिया, कमलेश्वरी वर्मा, पूर्णिमा पटेल, तृप्ति निषाद, कंचन मेश्राम, बबीता लिल्हारे, सरिता चौबे, रजनी टेम्बुलकर एवं रीना ठाकुर उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को डॉ. गणेश शंकर शर्मा ट्रॉफी, पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए। महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में दीनदयाल चैलेंजर्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए शांति नगर स्ट्राइकर को 3-1 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। दीनदयाल चैलेंजर्स की ओर से ममता साहू, घनिष्ठा साहू और कनक मरकाम ने एक-एक गोल किया, जबकि शांति नगर स्ट्राइकर की ओर से मोनिष्का विश्वकर्मा ने एक गोल दागा।

महिला वर्ग के हार्ड लाइन मुकाबले में चिखली ड्रैगंस ने शिवनगर बुल्स को 1-0 से हराया। चिखली ड्रैगंस की ओर से पुष्पिता साहू ने निर्णायक गोल किया। टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मोनिष्का विश्वकर्मा को स्व. अन्नपूर्णा देवी की स्मृति में रॉयल किड्स संस्थान द्वारा प्रदत्त साइकिल के रूप में दिया गया। वहीं, प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार घनिष्ठा साहू एवं पुष्पिता साहू को प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि आईएएस सुरुचि सिंह ने रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा हॉकी खेल के लिए किए जा रहे प्रयासों को अतुलनीय बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, छत्तीसगढ़ हॉकी एवं जिला हॉकी संघ राजनांदगांव के पदाधिकारियों और सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। अध्यक्षीय उद्बोधन में रेखा संतोष पांडेय ने कहा कि इस प्रतियोगिता में बच्चों की भागीदारी यह दर्शाती है कि हॉकी के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। राजनांदगांव को हॉकी की नर्सरी कहा जाता है, जिसे उन्होंने यहां प्रत्यक्ष रूप से देखा। खेल से बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं।

शिवसेना ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में शिवसेना ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला दहन किया। शहर के फौव्वारा चौक से गुरुनानक चौक तक जुलूस निकालकर पुतला फूंका गया। इसी कड़ी में डोंगरगांव के बस स्टैंड में भी शिवसैनिकों ने प्रधानमंत्री यूनुस का पुतला दहन किया। शिवसेना जिलाध्यक्ष आकाश सोनी ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की निर्मम हत्या, मंदिरों में तोड़फोड़ और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं को लेकर शिवसेना ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं पर बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री की चुप्पी से शिवसेना में भारी आक्रोश है। इसी के विरोध में छत्तीसगढ़ के हर जिला मुख्यालय और ब्लॉक मुख्यालय में पुतला दहन किया गया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिवसेना पीड़ित हिंदुओं के साथ खड़ी है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर ठोस कार्रवाई की मांग करती है। इस प्रदर्शन में शिवसेना दुर्ग संभाग अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव कमल सोनी, जिलाध्यक्ष आकाश सोनी, राजनांदगांव विधानसभा अध्यक्ष मुकेश साहू, छुरिया ब्लॉक अध्यक्ष संजय सरपे, महिला सेना प्रदेश सचिव शिरोमणि पगारे सहित संजय यादव, नीलकंठ यादव, थरवेतन साहू, धनेश साहू, गोविंद साहू, ज्ञानचंद लोढ़ा, मुन्ना यादव, प्रेमदास मानिकपुरी, हरेंद्र मालेकर, प्रकाश सोनी समेत बड़ी संख्या में शिवसैनिक मौजूद रहे।

बाल विवाह की सूचना पर त्वरित कार्रवाई

चाइल्डलाइन, समर्पित संस्था व पुलिस की संयुक्त टीम पहुँची मौके पर

गरियाबंद (समय दर्शन)। दूरभाष के माध्यम से प्राप्त सूचना अनुसार जिला कार्यकम अधिकारी अशोक पाण्डेय के निर्देश व जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी के मार्गदर्शन में चाइल्ड हेल्प लाईन 1098 गरियाबंद, समर्पित संस्था एवं पाण्डुका पुलिस के सहयोग से एक बाल विवाह को रोकने की त्वरित कार्यवाही की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना पाण्डुका के अंतर्गत ग्राम पंचायत धुरसा में 26 दिसम्बर 2025 को एक नाबालिग बालक की विवाह करने की जानकारी दूरभाष से प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही चाइल्ड लाइन गरियाबंद से सुपरवाईजर अहिल्या ठाकुर,शिव आधार साहू, समर्पित संस्था से जिला समन्वयक रामा जावलकर, नंदनी सामाजिक कार्यकर्ता एवं आवा से जिला चाइल्ड राईट एसोसिएट मोहम्मद शारिब तथा पाण्डुका पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुँची। टीम द्वारा बालक एवं उनके परिजनों से विस्तृत पूछताछ की गई तथा आयु सत्यापन के लिए बालक के स्कूल दाखिला खारिज के आधार पर उसकी आयु 17 वर्ष 11 माह 12 दिन पाई गई।

निर्धारित 26 दिसम्बर 2025 को उसकी विवाह आयोजित की जानी थी जो स्पष्ट रूप से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम का उल्लंघन है।इस अधिनियम के प्रावधानानुसार विवाह के लिए बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालक की न्यूनतम आयु 21 वर्ष अनिवार्य है। अधिनियम का उल्लंघन करते हुए नाबालिग बालक, बालिका का विवाह करने कराने अथवा सहयोग करने वाले सभी व्यक्ति दंड के भागीदार होते है। जिनके लिए 2 वर्ष तक का कठोर कारावास,1 लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों से दंडित करने का प्रावधान है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क्र..... ब / 121 वर्ष 2025-26
ग्राम मानिकचौरी प.ह.नं. 05

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश साहू पिता फिरतू साहू निवासी मानिकचौरी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने दादा घनाराम साहू के मृत्यु प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन किया गया है। आवेदक के दादा घनाराम साहू पिता रामा साहू की मृत्यु दिनांक 15/12/2004 को ग्राम मानिकचौरी में हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक 07/01/2026

मुहर — तहसीलदार पिपरिया

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क्र..... ब / 121 वर्ष 2025-26
ग्राम मानिकचौरी प.ह.नं. 05

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश साहू पिता फिरतू साहू निवासी मानिकचौरी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने भतिजी कोमेशरी साहू के जन्म प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन किया गया है। आवेदक के भतिजी कोमेशरी साहू पिता नरेश साहू की जन्म दिनांक 30/10/2007 को ग्राम मानिकचौरी में हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक 07/01/2026

मुहर — तहसीलदार पिपरिया

झीरम घाटी कांड पर जेपी नड्डा के आरोपों पर छविंद्र कर्मा का करारा पलटवार

शहीद कांग्रेस नेताओं का अपमान है- छविंद्र कर्मा

झीरम घाटी नक्सली हमले में कांग्रेस नेताओं समेत 32 लोगों की मौत हुई थी

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। झीरम घाटी नक्सली हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा कांग्रेस पार्टी पर लगाए गए अंदरूनी साजिश के आरोपों पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महासचिव श्री छविंद्र कर्मा ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने श्री नड्डा के बयान को झीरम घाटी में शहीद हुए कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं का घोर अपमान बताया है।छविंद्र कर्मा ने कहा कि झीरम घाटी कांड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सहित 32 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या हुई थी। इस घटना को लेकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना बयान देना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि पीड़ित परिवारों के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है।उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय प्रदेश में भाजपा की सरकार थी। और जब इस मामले की

जांच ह्ढ्ढ ने की, तब केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार थी। क्या भाजपा सरकारों की जांच एजेंसियां असफ्ल रहीं।

छविंद्र कर्मा ने आगे कहा कि झीरम घाटी कांड की ह्ढ्ढ जांच रिपोर्ट और श्री नड्डा के बयान आपस में मेल नहीं खाते।आख़िर ऐसी कौन-सी जानकारी है जो श्री नड्डा के पास है, लेकिन देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी ह्ढ्ढ के पास नहीं।उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 25 मई 2013 की इस दुखद घटना के बाद शहीद महेंद्र कर्मा के अंतिम संस्कार में तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री आर.पी.एन. सिंह (वर्तमान भाजपा सांसद) उपस्थित थे। इसके अलावा तत्कालीन भाजपा सांसद एवं वर्तमान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली से बस्तर आए और शोकाकुल परिवारों को सांत्वना दी ऐसे में आज भाजपा नेतृत्व द्वारा इस तरह के आरोप लगाना न केवल विरोधाभासी है, बल्कि राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित भी प्रतीत होता है। छविंद्र कर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री से मांग की है कि— झीरम घाटी के इस नृशंस सामूहिक नरसंहार की निष्पक्ष और पुनः जांच कराई जाए। इस जांच में श्री जेपी नड्डा को भी शामिल किया जाए, ताकि देश को सच्चाई पता चल सके।

यह स्पष्ट हो सके कि स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े राजनीतिक हत्याकांड के असली सूत्रधार, साजिशकर्ता और गुनहगार कौन हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस भीषण नरसंहार को केवल नक्सली घटना बताकर अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकती।

छविंद्र कर्मा ने देश व प्रदेश की सभी जांच एजेंसियों से मांग की कि इस सामूहिक हत्याकांड के दोषियों का शीघ्र पर्दाफ़ाश किया जाए।

संक्षिप्त-खबर

पाटन नगर देवांगन समाज का हुआ विस्तार

पाटन (समय दर्शन)। नगर देवांगन समाज के अध्यक्ष राज देवांगन और महिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवांगन ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार कर दिया है। जिसमें श्रीकांत देवांगन अध्यक्ष ब्लॉक मण्डल पाटन महिला पदाधिकारी का नाम, उपाध्यक्ष श्रीमती कुंती देवांगन वार्ड 2, उपाध्यक्ष श्रीमती शकुंतला देवांगन वार्ड 10, सचिव श्रीमती रजनी देवांगन वार्ड क. 10, कोषाध्यक्ष श्रीमती दीसी देवांगन वार्ड क 1, सहसचिव श्रीमती वंदना देवांगन वार्ड क 11, सहसचिव श्रीमती उर्वशी देवांगन वार्ड 6 शामिल हैं । इसी तरह नगर देवांगन समाज का उपाध्यक्ष छबि श्याम देवांगन वार्ड 11, उपाध्यक्ष मनीष देवांगन वार्ड 10, सचिव राकेश देवांगन वार्ड 6, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार देवांगन वार्ड क. 2, सहसचिव शत्रुहन देवांगन वार्ड 6, सहसचिव प्रेम प्रकाश देवांगन वार्ड 8 को नियुक्त किया है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की 101 जयंती पर किया उन्हें याद

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई की 101 जयंती पर 25 दिसंबर को राज्य के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में सभी नगरी निकाय वर्चुअली जुड़ गए, इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद अहिवारा में लोकार्पण एवं प्रतिमा का अनावरण अहिवारा विधायक श्रीमान डोमन लाल कोर्सवाड़ा के द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि विकास की गाथा गढ़ने वाले विधायक डोमन लाल कोर्सवाड़ा ने बताया की अटल जी एक राजनेता ही नहीं बल्कि पत्रकार भी थे अटल परिसर का एक साथ लोकार्पण यह बहुत बड़ा रिकॉर्ड होगा। 115 प्रतिमाओं का लोकार्पण शायद ही देश में कहीं और हुआ होगा हम एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं भारत सरकार ने अटल जी के जन्म दिवस को सुशासन दिवस के रूप में घोषित किया है उनका सुशासन लोगों को प्रेरणा देता है प्रदेशवासियों को प्रेरणा देता है इस विशेष लोकार्पण कार्यक्रम में विशेष अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा उपाध्यक्ष अशोक बाफ्ना प्रभारी लोक निर्माण विभाग कीर्ति राजा शिवाले 9 नंबर वार्ड पार्षद ईश्वर शर्मा एवं समस्त नगर पालिका के वार्ड पार्षद एवं पालिका के सीएमओ अंकुर पांडे इंजीनियर कुल्हारे भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता भूपेंद्र सिंह लक्ष्मण छतरी एवं समस्त भाजपा के कार्यकर्ता नगर पालिका के कर्मचारी एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

फिर हुआ हादसा,, दो की मौत

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। लगातार दो दिनों से हादसा की दुखद खबर निकल कर सामने आ रही है जिसमे 2 दिनों मे 3 लोगो की मौत हो गई आपको कल भी एक खबर बताया था जिसमे कार और मोटर साइकल की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत और एक घायल हुआ था लेकिन वही आज फिर एक दुखद खबर निकल कर सामने आ रही है जहाँ फिर से दो लोगो की मौत की खबर है बहुत दुखद हादसा था जहाँ इस बार ट्रक और कार मे टक्कर हो गई है आपको बता दे सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ ब्लाक से हादसा की फिर दुखद खबर निकल कर सामने आ रही है घटना बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र का है जहाँ दुम्हानी मोड़ के पास एक भीषण सडक हादसा हुआ है जिसमे एक कार और ट्रक मे टक्कर हो गई है हादसा इतना भयानक था की हादसे मे कार मे सवार दो युवक की मौत हो गई है मृतक की पहचान यशवंत टंडन और रूपेंद्र देवागन के रूप मे हुई है फ्लिहाल घटना की जैसे ही जानकारी बिलाईगढ़ पुलिस को हुई घटना स्थल पहुंचकर मामले की जाँच कर रही है फ्लिहाल पुलिस आगे की कार्यवाही मे जुटी है।

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए पीएम-अजय योजना के तहत स्वरोजगार हेतु आवेदन 12 जनवरी 2026 तक आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु अनुसूचित जाति वर्ग हेतु अभ्युदय (पीएम-अजय) योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना के तहत जो हितग्राही अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें बैंकों के माध्यम से न्यूनतम 1 लाख के ऋण की स्वीकृति पर 50 हजार या ऋण राशि का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) अनुदान के रूप में प्रदान किया जाएगा। जिला अंत्यावसायी सहकारी समिति मर्यादित दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के व्यवसायों जैसे किराना, मनिहारी, कपड़ा दुकान, नाई सेलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैन्सी स्टोर, मोटर मैकेनिक, सायकिल मरम्मत, टीवी-रेडियो-मोबाइल रिपेयरिंग, वाइंडिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोनापत्तल निर्माण, लघु एवं फुटकर उद्योग सहित स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य व्यवसायों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

महाविद्यालय में वीर बाल दिवस कार्यक्रम सम्पन्न

रानीतराई (समय दर्शन)। ! स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय रानीतराई में वीर बाल दिवस का आयोजन प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार मिश्रा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम प्रभारी श्री चंदन गोस्वामी के नेतृत्व में वीर बाल दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती माता के छाया चित्र पर पुष्पार्पण एवं सरस्वती वंदन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री वेणु कुमार साहू ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अरुण कुमार मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सिक्खों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार की शहादत को आज भी इतिहास की सबसे बड़ी शहादत माना जाता है। छोटे साहिबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है और सिर श्रद्धा से झुक जाता है। देश में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐलान के बाद ही 26 दिसंबर को गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फ्तेह सिंह जी के साहस को श्रद्धांजलि देने के लिए वीर बाल दिवस पूरे देश-विदेश में मनाया जाता है। गुरुद्वारा श्री फ्तेहगढ़ साहिब उस स्थान पर खड़ा है, जहां साहिब जादों ने आखिरी सांस ली।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में श्री चंदन गोस्वामी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शासक अकबर की इतिहास बताते हुए औरंगजेब पर प्रकाश डाले। वीर बाल दिवस 26 दिसंबर को मनाया जाता है, जो उन बच्चों की याद में मनाया जाता है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता और एकता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। यह दिवस उन वीर बच्चों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है जिन्होंने अपनी जवानी में ही देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वीर बाल दिवस का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा हुआ है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य उन वीर बच्चों की याद को ताज़ा रखना और उनकी वीरता और बलिदान को सम्मान देना है। वीर बाल दिवस का महत्व है - वीरता और बलिदान का सम्मान वीर बाल दिवस उन वीर बच्चों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता और एकता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता वीर बाल दिवस देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देता है। युवाओं को प्रेरणा वीर बाल दिवस युवाओं को प्रेरित करता है और उन्हें देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है। वीर बाल दिवस के अवसर पर बीए प्रथम सेमेस्टर की ?छात्रा कु. हर्षिता कश्यप ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कही कि गुरु तेग बहादुर सिंह जी के बेटे गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 ई को हुआ था। वे सिखों के दसवीं गुरु थे उन्होंने 16 साल 99 में खालसा पंथ की स्थापना की। गुरु गोविंद सिंह जी के चार बेटे थे जिनमें बाबा जोरावर सिंह जी एवं बाबा फ्तेह सिंह जी सिख धर्म के सबसे प्रसिद्ध शहीद रहे। गुरु गोविंद सिंह जी के चार बेटों को मुगलों ने 19 वर्ष की उम्र से पहले ही मार दिया।

गुरू घासीदास के विचारों से मानव समाज के बीच मतभेद ने सौहार्द का रूप लिया

कौही में गुरू घासीदास का 269 वीं जयंती मनाया गया

पाटन (समय दर्शन)। कौही में गुरू घासीदास जी के 269 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथि वक्ताओं ने कहा कि गुरू घासीदास जी के संदेश मनखे - मनखे एक बरोबर के महान विचार के कारण आज मानव समाज में विभिन्न मतावलंबियों के बीच आपसी मतभेद के बदले सौहार्द की भावना बढ़ी है तथा उनके महान विचारों में चलकर समस्त मानव समाज की सेवा करना ही सच्चे अर्थों में गुरू घासीदास जयंती मनाना सार्थक होगा। 25 दिसंबर को गुरू घासीदास जयंती पर प्रभु ईसा मसीह के मानवता के रूप में दया करूणा प्रेम व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के देश

के विकास में योगदान को भी उनके जन्म जयंती पर स-सम्मान याद किया गया।

गुरू घासीदास जयंती पर पंथी पार्टी तमोरा के प्रस्तुति के साथ शोभायात्रा पश्चात जयस्तंभ पर पालो चढ़ाया गया।

कौही में गुरू घासीदास जयंती समारोह के मुख्य अतिथि अशोक साहू पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष, अध्यक्षता श्रीमती लीना साहू सरपंच, विशेष अतिथि श्रीमती मनोरमा टिकरिहा पूर्व सरपंच, समाजिक कार्यकर्ता शीतकरण महिलवार, राजेन्द्र मारकण्डे प्रधानपाठक, योगेश्वर साहू अध्यक्ष मंदिर समिति,मेहत्तर जोशी, धनेश्वर देवांगन पूर्व उपसरपंच, गंगा राम साहू,बिरेंद्र मारकण्डे, अस्वस्थामा, राजेन्द्र जोशी, उधो मारकण्डे सहित बड़ी संख्या में समाजिक एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

वीर बाल दिवस पर आयोजित हुए प्रेरणादायक कार्यक्रम

स्कूल स्वामी आत्मानंद हिंदी/अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, ठेलका

ठेलका (समय दर्शन)। स्कूल स्वामी आत्मानंद हिंदी/अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, ठेलका में वीर बाल दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। यह दिवस सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को स्मरण करने हेतु मनाया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु साहिबजादों के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री टी. एल. साहू ने अपने संबोधन में साहिबजादों के अद्भुत साहस, त्याग और धर्मनिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों द्वारा भाषण, कविता पाठ, नाट्य प्रस्तुति एवं देशभक्ति गीतों के माध्यम से वीर

बालकों के बलिदान को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में साहस, नैतिक मूल्यों, देशप्रेम एवं आत्मबल की भावना विकसित करना रहा।

विद्यालय परिवार द्वारा यह संकल्प लिया गया कि गुरु साहिबजादों के आदर्शों को आत्मसात कर एक सशक्त, संस्कारित और राष्ट्रनिष्ठ नागरिक बनेंगे।

कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता धर्मपाल वर्मा ने किया अंत में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वीर बालकों के बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं समस्त स्टाफसदस्य उपस्थित रहे।

गुरुकुल में सीनियर विंग का आकर्षक 22वाँ वार्षिकोत्सव सृजन संपन्न

कवर्धा (समय दर्शन)। गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा के छात्र-छात्राओं का नयनाभिराम आकर्षक रंगारंग प्रस्तुति के साथ वार्षिकोत्सव सृजन संपन्न हुआ। वार्षिकोत्सव समारोह के अतिथि के रूप में कृति गुप्ता, कैप्टन छत्तीसगढ़ सीनियर महिला क्रिकेट टीम, ईश्वरी साहू अध्यक्ष, जनपद पंचायत तथा कैलाश चंद्रवंशी मंचासीन थे। अतिथियों ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर वार्षिक उत्सव सृजन के मनमोहक कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। शाला के प्राचार्य मनोज राय ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शाला की उपलब्धियां बताई। अतिथियों ने

विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने अपने-अपने उद्बोधन में शाला की उपलब्धियां की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए शाला के उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं दी।

मीडिया प्रभारी शिक्षक डॉक्टर विजय कुमार शाही ने बताया कि सृजन में कक्षा दूसरी से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस वार्षिकोत्सव में कला, संस्कृति एवं कर्म थीम पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन कार्यक्रमों में शिवाजी थीम, हॉरर कॉमेडी, दशावतार, नृसिंहावतार तथा चार युग आदि दर्शकों द्वारा प्रशंसित हुए। कक्षा दूसरी की वर्ल्ड हंगर तथा सातवीं के जय जवान -जय किसान डांस ड्रामा को दर्शकों ने विशेष रूप से सराहा। बाहुबली तथा गणेश वंदना ने दर्शक दीर्घा की वाहवाही लूटी। इस सत्र में संपन्न हुई विशेष गतिविधियों की एवं स्पर्धा के बारे में प्राचार्य ने अवगत कराया। वार्षिकोत्सव की सांस्कृतिक गतिविधियों के सफ्ल प्रस्तुति का श्रेय समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं शाला परिवार का भागीरथ प्रयास रहा। अतिथियों को शाला परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन प्रशासक मनोज गोनाडे ने किया। रंगारंग मनमोहक वार्षिक उत्सव का समापन राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। संस्था के अध्यक्ष, संचालक गण, प्राचार्य तथा प्रशासक ने समस्त गुरुकुल परिवार को वार्षिक उत्सव पर हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी।

कृत्रिम मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कवर्धा (समय दर्शन)। कलेक्टर जिला कबीरधाम के तत्वाधान में जिला खनिज न्यास (डी.एम.एफ) मद अंतर्गत आकांक्षी विकास खण्ड बोड़ला की ग्राम पंचायत चोरभट्टी के आश्रित ग्राम थुहापानी में आजीविका संवर्धन हेतु कृत्रिम मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन वनमंडलाधिकारी कवर्धा के निर्देशन, उप वनमंडलाधिकारी कवर्धा के मार्गदर्शन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा के नेतृत्व में 15.12. 2025 से 18.12.2025 तक किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एन.जी.ओ. ग्राम विकास खोज केन्द्र (सी.डी.व्ही.डी.), मंडला द्वारा चयनित हितग्राहियों को कृत्रिम मधुमक्खी पालन की उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि कृत्रिम मधुमक्खी पालन से न केवल हितग्राहियों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि प्राकृतिक परागण के माध्यम से कृषि उत्पादकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अवसर पर चयनित 20 हितग्राहियों को मधुमक्खी पालन किट का वितरण किया गया। आगामी चरण में अन्य हितग्राहियों को भी प्रशिक्षण एवं किट वितरण किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, शहद प्रसंस्करण केन्द्र बोड़ला के माध्यम से मधुमक्खी पालन किट से उत्पादित शहद का प्रसंस्करण किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ एवं सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हार नहीं मानूंगा,रार नहीं मानूंगा,काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूं

अटल परिसर के उद्घाटन सत्र में गूंजे अटल की कविताएं, कदम मिलाकर चलना होगा

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी की 101 वीं जयंती जन्म शताब्दी वर्ष पर छत्तीसगढ़ के 115 अटल परिसर का वर्चुअल उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के अनेक मंत्रीगणों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

बसना नगर में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण

कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

इस अवसर पर बसना विधानसभा संयोजक डॉ एन के अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश अग्रवाल,बसना नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ खुशबू अग्रवाल,नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष नरेन्द्र यादव,जनपद उपाध्यक्ष मोहित पटेल,पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल,सी एम ओ सूरज सिदार , वरिष्ठ पत्रकार सेवकदास दीवान, भीष्म प्रधान,दीपक यदु, अभिमन्यु जायसवाल,सी डी बघेल,आर के दास,अभय धृतलहरे,मनहरण सोनवानी,अमृत चौधरी,संजय तायल,पूर्व पार्षद मुरारी अग्रवाल,प्रदीप दास,पार्षद मनोज गहरेवाल,शिव नायक, गौतम धृतलहरे, मुजम्मिल कादरी,संगीता नायक, महेन्द्र सिंह अरोरा,दीपक शर्मा,सरोज पटेल, दीपक यदु,कावेरी चौधरी ,मोनू बंजारा, रेणुका साहू, वीरेंद्र बघेल,प्रशान्त बरिहा, हिमालय सिन्हा,राम यादव एवं नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी तथा गणमान्य जन उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि डॉ एन के अग्रवाल ने श्रद्धेय अटल जी की दूरदर्शिता पर प्रकाश डालते हुए अटल जी की कविताओं से खूब तालियां बटोरी। उन्होंने अटल जी कविता कदम मिलाकर चलना होगा एवं हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा से अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि,अटल जी भारतीय राजनीति के ऐसे युग पुरुष थे जिनकी वाणी में ओज, विचारों में स्पष्टता और निर्णयों में राष्ट्रहित सर्वोपरि रहा। सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास की मजबूत नींव रखकर उन्होंने देश को एक नई दिशा दी। उनका कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव हम सभी को प्रेरित करता रहेगा। उन्होने कहा कि श्रद्धेय अटल जी की जयंती के अवसर पर हम सभी को उनके आदर्शों और विचारों को याद करना चाहिए और उन्हें अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अटल जी की नीतियों और विचारों ने देश को एक नई दिशा दी और हमें उनका अनुसरण करना चाहिए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26